• जयपुर, बुधवार 12 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 284 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

कोलंबिया में आए 7.4 तीव्रता के जोरदार भूकंप में अब तक 132 की मौत, 570 घायल, 1,500 से अधिक इमारतें ढही

बोगोटा/एजेंसी।

दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार सुबह आए 7.4 तीव्रता के जोरदार भूकंप से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अब तक 132 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। देश के गरीब चोको प्रांत और प्रसिद्ध कॉफी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित बताए जा रहे हैं। घायलों की संख्या 570 बताई गई है। भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में दर्जनों इमारतें ढह गईं हैं, जिसमें लोग दबे हुए हैं। बचाव दल मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहा है। कोलंबिया की भूवैज्ञानिक सेवा और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस भूकंप को 21वीं सदी में देश में दर्ज सबसे शक्तिशाली भूकंप बताया है।

भूकंप चोको प्रांत के सैन जोस डेल पामार से 5 किलोमीटर पूर्व में आया था, जहां दो-तिहाई से अधिक आबादी गरीबी में जीवन यापन करती है। भूकंप की गहराई 107 किलोमीटर थी।

क्षेत्र में सीमित सड़क संपर्क और दूरस्थ बस्तियों के कारण आपातकालीन टीमों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है। कोलंबिया के कॉफी उत्पादक क्षेत्र के केंद्र में स्थित रिसारल्डा, सबसे बुरी तरह प्रभावित है।

पेरेइरा में सबसे अधिक 60 लोगों की मौत हुई है, जबकि डोस्केब्रादास में भी व्यापक तबाही हुई है। पेरेइरा के माटेकाना हवाई अड्डे का एक हिस्सा गिर गया। भूकंप से हुए नुकसान के कारण देश के 6 प्रमुख हवाई अड्डो (पेरेइरा, मनिजालेस, आर्मेनिया, किब्दो, कार्तागो और बुएनावेंचुरा) पर विमान संचालन पूरी तरह निलंबित कर दिया गया है। राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला ने बताया कि 1,577 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिनमें से 37 पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं।

यहां 60 से अधिक व्यावसायिक इमारतें ढह गई हैं, जबकि 18 स्वास्थ्य केंद्र और 52 स्कूल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। पांच राजधानियों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। कैली शहर में करीब 20-25 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं, जिनमें कई लोग फंस गए। पेरेइरा में भी एक 4 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप इतना तीव्र था कि पेरेरा से लगभग 160 किलोमीटर दक्षिण में और भूकंप के केंद्र से लगभग 200 किलोमीटर दूर स्थित कैली में 32 इमारतें ढह गईं। भूकंप के झटके पड़ोसी देश वेनेजुएला, इक्वाडोर और पनामा तक महसूस किए गए हैं। यह भूकंप वेनेजुएला के उत्तरी हिस्से में आए दोहरे भूकंपों के दो महीने से भी कम समय बाद आया है , जिनमें 6,300 से अधिक लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति एस्प्रीएला ने राष्ट्रीय आपदा की स्थिति घोषित कर दी है और आपातकाल से निपटने के लिए विशेष शक्तियां सृजित की हैं, जिनमें बजट का पुनर्वितरण भी शामिल है। शुक्रवार को ही पदभार ग्रहण करने वाले नए राष्ट्रपति को तुरंत ही एक ऐसी घटना का सामना करना पड़ रहा है जो उनकी विरासत को परिभाषित कर सकती है। उन्होंने हालात से निपटने के लिए अभियान तेज करने के आदेश दिए हैं। कई देशों ने बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और उपकरण उपलब्ध कराने की पेशकश की है। इक्वाडोर ने 47 बचावकर्मी, विशेषज्ञ खोजी कुत्ते और 7 दिनों तक स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए उपकरण उपलब्ध कराए हैं। अल साल्वाडोर, मेक्सिको, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने भी मदद की पेशकश की है। यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि बचाव अभियान में यूरोपीय संघ के कोपरनिकस उपग्रह का उपयोग किया जा रहा है।

न्यूज़ अपडेट

ग्रामीणों के रोकने पर भी नहीं माना ड्राइवर, उफनती पुलिया पर बही 11 लोगों से भरी कार; 6 की मौत

राजगढ़/एजेंसी। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ ने एक हंसते-खेलते परिवार को भारी दुख दे दिया है। यहां रात एक बड़ी लापरवाही के चलते 11 लोगों से भरी एक ईको कार बायपास की उफनती पुलिया से तेज बहाव में बह गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 6 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 3 लोग अब भी लापता हैं। दो लोगों ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद से इलाके में मातम पसरा हुआ है और प्रशासन की टीम युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, रात को एक परिवार ईको कार में सवार होकर देवास जिले के सतवास से सारंगपुर के कड़लावद गांव जा रहा था। रास्ते में सारंगपुर ब्लॉक के पड़ाना स्थित नए बायपास पुल पर बाढ़ का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा था। स्थानीय ग्रामीणों ने खतरे को भांपते हुए ड्राइवर को आगे बढने् से रोका और चेतावनी भी दी, लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। बाहर से आए चालक को पानी की गहराई और पुल की स्थिति का बिल्कुल अंदाजा नहीं लगा और उसने जोखिम उठाते हुए गाड़ी पुल पर उतार दी। जैसे ही कार पानी में गई, तेज बहाव में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तिनके की तरह बह गई। हादसे का शिकार हुई इस बदनसीब कार में कुल 11 लोग सवार थे, जिनमें तीन पुरुष, चार महिलाएं और चार मासूम बच्चे शामिल थे। हादसे के तुरंत बाद दो लोग किसी तरह पानी से बाहर निकलने में कामयाब रहे, जिससे उनकी जान बच गई। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद अब तक छह लोगों के शव नदी से बाहर निकाल लिए हैं। वहीं, बाकी बचे तीन लापता लोगों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों से संवाद

सामाजिक न्याय हमारी नीतियों की आत्मा

सबका साथ-सबका विकास की भावना से वंचित वर्गों का हो रहा अभूतपूर्व उत्थान

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार और समाज के बीच निरंतर संवाद पर बल देते हुए इसे नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में कारगर बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय को नीतियों की आत्मा और योजनाओं का सार मानते हुए राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना से कार्य कर रही है, जिससे वंचित वर्गों का अभूतपूर्व उत्थान हो रहा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सेवानिवृत्त अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए सरकार की नीतियों और योजनाओं को धरातल तक पहुंचाया और जनसेवा की है। अधिकारी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं लेकिन सामाजिक जिम्मेदारियों से कभी नहीं। उनका दायित्व है कि वे वर्षों के प्रशासनिक अनुभव, जमीनी परिस्थितियों के व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव का उपयोग करते हुए युवाओं को मार्ग दिखाएं।

बाबा साहब के आदर्शों को बनाया विकसित राजस्थान का आधार

राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी निभाएं सामाजिक जिम्मेदारी- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

● **सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार-**

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि, निःशुल्क कोचिंग योजना, कौशल विकास सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में प्रभावी जांच एवं त्वरित कार्रवाई के लिए भी सरकार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारी समाज के प्रेरणा स्रोत हैं और समाज उनके अनुभव एवं कार्यों का अनुकरण करता है। ऐसे में विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में उनका सहयोग और मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री की सराहना

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार स्थानीय आवश्यकताओं और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास का रोडमैप बना कर पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य सहित बुनियादी सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना एवं यमुना जल समझौते जैसे महत्वपूर्ण कार्य डबल इंजन सरकार की इच्छाशक्ति का परिणाम हैं। हमारी सरकार ने महज ढाई वर्ष में 12 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन की उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट और पंच गौरव जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। स्थानीय स्तर पर भंडारण एवं प्रसंस्करण सुविधाओं के विस्तार से किसानों की आय बढ़ाने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

बाबा साहेब अंबेडकर आदर्श ग्राम विकास योजना से प्रशस्त हो रहा गांवों का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों में वंचित वर्ग की आबादी हेतु सड़क, पेयजल, वेस्ट मैनेजमेंट आदि के विकास के लिए बाबा साहेब अंबेडकर आदर्श ग्राम विकास योजना के तहत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत करीब सवा चार लाख और अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 4 लाख 30 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर तीर्थ स्थल यात्रा योजना के तहत बाबा साहब के स्मृति स्थलों का भ्रमण, डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत 887 करोड़ रुपये का ऋण वितरण तथा बारां जिले में पीएम-जनमन के तहत 14 हजार 636 पात्र परिवारों के आशियाने का सपना साकार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को देय मैस भत्ते की राशि को 2 हजार 500 रुपये से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह और खेल अकादमियों में देय मैस भत्ते की राशि को 2 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया। उन्होंने कहा कि मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत कार्मिकों के मानदेय में पिछले दो साल में लगातार 10-10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वहीं, 250 नए मां बाड़ी केंद्र खोलने के आदेश भी जारी किए जा चुके हैं।

इस दौरान ललित के. पंवार, जे.पी. चंदेलिया, रवि प्रकाश मेहरड़ा, ओम प्रकाश बैरवा एवं अनिल गोठवाल सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय राजस्व सेवा तथा प्रशासनिक एवं अन्य सेवाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित रहे।

आरबीआई शुरू करेगा फील्ड ट्रायल

देश में जल्द आएंगे 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोट

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ही देश में 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के पॉलीमर बैंक नोटों का क्षेत्रीय परीक्षण शुरू करेगा। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। दोनों मूल्यवर्ग के एक-एक अरब पॉलीमर नोटों का परीक्षण किया जाएगा।

पॉलीमर नोटों की शुरुआत को देश की मुद्रा व्यवस्था को अधिक टिकाऊ, सुरक्षित और लंबे समय तक इस्तेमाल योग्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयोग माना जा रहा है।

हालांकि, योजना अभी प्रारंभिक चरण में है और परीक्षण शुरू होने की सटीक तारीख तथा इससे होने वाले खर्च का अंतिम अनुमान अभी तय नहीं किया गया है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि परीक्षण के दौरान जारी किए जाने वाले पॉलीमर नोट मौजूदा कागज के नोटों के साथ ही प्रचलन में रहेंगे। यानी नए नोट आने के बाद पुराने कागजी नोटों को तत्काल चलन से बाहर नहीं किया जाएगा। यदि क्षेत्रीय परीक्षण सफल रहता है तो 10 रुपये और 20 रुपये के पॉलीमर नोटों को नियमित रूप से जारी करने पर विचार किया जाएगा। पॉलीमर नोट सामान्य कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ माने जाते हैं और उनमें कुछ सुरक्षा विशेषताएं जोड़ना भी अपेक्षाकृत आसान होता है।

● **केंद्र सरकार ने एक-एक अरब नोटों के परीक्षण को दी मंजूरी; सफल रहा प्रयोग तो नियमित रूप से जारी होंगे पॉलीमर नोट**

चंडीगढ़ के 4 प्रमुख स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीमें जांच में जुटीं

चंडीगढ़/एजेंसी। शहर में एक बार फिर से दहशत का माहौल पैदा करने की कोशिश की गई है। चंडीगढ़ के चार नामी स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस कंट्रोल रूम को जैसे ही यह सूचना मिली, तुरंत पूरे महकमे को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित स्कूलों और उनके आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस की कई टीमें चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ले रही हैं।

एनटीए के लिए सुरक्षा व पारदर्शिता जरूरी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो-चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु-परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया।

दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक-दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई-लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए। वास्तविक अर्थों में इस प्रस्तावित कमांड सेंटर को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले, स्पष्ट रूप से जवाबदेही तय हो और सुरक्षा में कोई गड़बड़ी पाए जाने पर परीक्षा प्रक्रिया को रोकने का अधिकार मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों के लिए परीक्षा व्यवस्था का निष्पक्ष व पारदर्शी होना ही पहली शर्त है। इसके बावजूद यदि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को कड़ी परीक्षा से गुजरना अनिवार्य ही होगा, तो निस्संदेह, यदि एनटीए उसमें असफल रहता है, तो एजेंसी के भविष्य को लेकर कड़ा फैसला लिया जाना अपरिहार्य ही होगा। इसके अलावा, केंद्र के साथ ही राज्यों में भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने वाली एजेंसियों के कामकाज व तौर-तरीकों पर नियमित निगरानी के लिए एक केंद्रीय ढांचा बनाया जाना चाहिए, जो बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष व पारदर्शी परीक्षा सिस्टम तैयार करना सुनिश्चित कर सके।

आज का पंचांग

कोलकाता : 12 अगस्त, बुधवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, श्रावण कृष्णपक्ष अमावस्या, 23:08 तक, नक्षत्र : पुष्य, 07:58 तक, योग : व्यतिपाता, 15:23 तक, सूर्योदय: 05:12, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 05:07, चन्द्रास्त: 18:37, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 12:18 से 13:55

राशिफल

मेष : आज का दिन मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। काम का दबाव थोड़ा अधिक महसूस हो सकता है, लेकिन आपकी जिम्मेदारी निभाने की आदत आपको हर चुनौती से बाहर निकाल लेगी।

वृष : आज धैर्य, संयम और समझदारी आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। अपने काम पर पूरा ध्यान देंगे तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपकी मधुर वाणी लोगों का दिल जीतेगी।

मिथुन : आज का दिन नई उम्मीदों और नए अवसरों की शुरुआत का संकेत दे रहा है। रास्ते में कुछ चुनौतियां जरूर आएंगी, आपकी बुद्धिमानी और सकारात्मक सोच उन्हें आसानी से पार करा देगी।

कर्क : आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन काफी अनुकूल रहने वाला है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके संबंध पहले से बेहतर होंगे।

सिंह : आज आपके सामने सफलता के नए रास्ते खुल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नई योजनाएं सकारात्मक परिणाम देंगी। मामा पक्ष से धन लाभ के संकेत हैं।

कन्या : आज आपका मन हल्का-फुल्का और खुशमिजाज रहेगा, लेकिन काम के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें। यदि पूरा ध्यान अपने दायित्वों पर लगाएंगे तो सभी कार्य समय पर पूरे होंगे।

तुला : आज उन्नति के नए अवसर आपका इंतजार कर रहे हैं। जीवनसाथी की ओर से मिला सरप्राइज या खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। आराम की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है।

वृश्चिक : आज का दिन राहत और उपलब्धियों का एहसास कराएगा। कार्यक्षेत्र में किसी मुश्किल काम को पूरा करने के लिए आपको अपनी टीम या जूनियर्स का सहयोग मिलेगा।

धनु : आज नई जिम्मेदारियां आपके सामने आएंगी और आप उन्हें पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। परिवार में प्रेम और एकता बनी रहेगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

मकर : आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत होगी। कानूनी मामलों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और सही रणनीति से आप स्थिति को संभाल लेंगे।

कुम्भ : आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी, पद या सम्मान मिलने के संकेत हैं। सरकारी कार्यों में लापरवाही न करें।

मीन : आज आपको हर काम में संतुलन और धैर्य बनाए रखने की जरूरत होगी। आय के अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी उसी गति से बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट पर ध्यान दें।

लंबित मुकदमों के पीछे खाली कुर्सी

न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी

समान कार्यकाल, तय सेवानिवृत्ति आयु और योग्यता-आधारित चयन से हमारे न्यायाधिकरणों में सक्षम लोग आएंगे, और उन्हें वहीं बनाए रखेंगे।

ए. वी. जे. हाइट्स के अपार्टमेंट मालिक लंबे समय से एक आदेश का इंतजार कर रहे हैं। उनके बिल्डर, ए. वी. जे. डेवलपर्स, 2019 में दिवालिया हो गए। लेनदारों ने 4 जुलाई 2024 को एक पुनरुद्धार योजना को मंजूरी देने के लिए मतदान किया। योजना आठ दिन बाद राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (छउडढ) के समक्ष गई। लगभग दो साल बाद, यह अभी भी मंजूरी का इंतजार कर रही थी।

अप्रैल 2026 में, सर्वोच्च न्यायालय ने उस फाइल को देखा और एक व्यापक प्रश्न पूछा। इसने राष्ट्रीय आंकड़े मांगे। देशभर में छउडढ पीठों के समक्ष समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लगभग 383 आवेदन लंबित थे। देरी 48 दिनों से लेकर 738 दिनों तक की थी। कुछ मामलों में यह चार साल के करीब थी। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा। इसने कहा कि तस्वीर अत्यंत निराशाजनक और विकट थी।1

यह कानून की विफलता नहीं है। यह क्षमता की विफलता है।

दिवाला और दिवालियापन संहिता 330 दिनों2 की एक बाहरी सीमा तय करती है। कानून का पालन किया गया है; कैलेंडर का नहीं।

यह कानून की विफलता नहीं है। यह क्षमता की विफलता है।

न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) कभी भी बाद में सोचा गया विचार नहीं थे। संविधान में 1976 में शामिल किया गया भाग दखत-- किसी कारण से ही बनाया गया था। उनका उद्देश्य उन विवादों में गति और विषय-विशेषज्ञता लाना था जो सामान्य अदालतों पर बोझ डाल रहे थे। एल. चंद्र कुमार (1997) मामले में सर्वोच्च न्यायालय3 ने इन्हें उच्च न्यायालयों का पूरक बताया था। इसलिए सही कसौटी यह नहीं है कि ट्रिब्यूनल सही (निर्दोष) हैं या नहीं। कसौटी यह है कि क्या वे उन अदालतों की तुलना में तेज़ और अधिक विशेषज्ञ हैं जिनका बोझ वे हल्का करते हैं। मौजूदा आंकड़ों के आधार पर, वे अक्सर ऐसे नहीं हैं।

इसका पैमाना काफी बड़ा है। लोकसभा में दिए गए एक जवाब के अनुसार, 2025 में 16 प्रमुख न्यायाधिकरणों में 5.36 लाख मामले लंबित थे। ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में सबसे अधिक 2.45 लाख मामले लंबित थे, इसके बाद सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में 71,454 मामले लंबित थे।

आर्थिक समीक्षा 2025-26 ने छउडढ के समक्ष लगभग 30,600 मामलों को दर्ज किया। इसने चेतावनी दी कि मौजूदा निपटान दरों पर उन्हें निपटाने में एक दशक5 लग सकता है। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के पास 31 जनवरी 2026 तक6 69,581 मामले लंबित थे। सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के पास 11,000 से अधिक मामले लंबित हैं।7

देरी कहां से शुरू होती है? बहुत बार, एक खाली कुर्सी से।

कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति ने 7 अगस्त 2026 को न्यायाधिकरण प्रणाली पर रिपोर्ट दी। इसके निष्कर्ष गंभीर हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण अपने न्यूनतम वैधानिक सदस्य संख्या से कम पर कार्य कर रहा है। NCLT के 95 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी

अनुबंध पर लगे हुए हैं। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में पांच महीनों में लंबित मामलों में 19,275 की वृद्धि देखी गई। TDSAT की स्वीकृत क्षमता न्यायाधिकरण की स्थापना के बाद से नहीं बदली है।

रिक्तियां कोई प्रशासनिक विवरण मात्र नहीं हैं। बिना कोरम (न्यूनतम उपस्थिति) की पीठ बैठ नहीं सकती। जिस मामले को सूचीबद्ध नहीं किया जा सकता, उसकी सुनवाई नहीं हो सकती।

रिक्तियां क्यों बनी रहती हैं? क्योंकि सेवा की शर्तें कभी तय ही नहीं हुईं। एक सेवारत न्यायाधीश या एक वरिष्ठ पेशेवर अनिश्चित और छोटे कार्यकाल के लिए अपनी स्थापित वकालत या अभ्यास को नहीं छोड़ेगा। न्यायाधिकरणों में अलग-अलग कार्यकाल, सेवानिवृत्ति की अलग-अलग आयु और चयन के अलग-अलग रास्ते रहे हैं। प्रत्येक रिक्ति को एक नए अभ्यास के रूप में संभाला गया है। विज्ञापन, जांच और स्वीकृति आमतौर पर पद खाली होने के बाद शुरू हुई है, पहले नहीं।

ट्रिब्यूनल सुधार विधेयक, 2026 इसका जड़ से समाधान करता है

यह अध्यक्ष के लिए सेवानिवृत्ति की आयु सत्तर वर्ष और सदस्य के लिए सड़सठ वर्ष के साथ कार्यकाल पांच वर्ष तय करता है। यह वह न्यूनतम सीमा है जो सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास बार एसोसिएशन के मामलों में तय की थी और एक से अधिक बार लागू की थी। यह विधेयक चार साल के कार्यकाल या पचास साल की न्यूनतम आयु को पुनर्जीवित नहीं करता है, जिसे न्यायालय ने नवंबर 2025 में रद्द कर दिया था। एक तय सेवानिवृत्ति आयु के साथ पांच साल का कार्यकाल एक करियर है, न कि केवल एक अंतराल। इसके लिए वकालत या अभ्यास छोड़ना सार्थक है।

चयन भी एक सामयिक प्रक्रिया के बजाय एक स्थायी प्रक्रिया बन जाता है। एक स्थायी सचिवालय रिक्ति की स्थिति पर नज़र रखेगा, पदों का विज्ञापन करेगा और पात्रता की जांच करेगा। प्रशासनिक मंत्रालय, जो अक्सर इन न्यायाधिकरणों के समक्ष सबसे बड़ा मुकदमेबाज़ होता है, उस जांच से बाहर है। राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग (छढउ) द्वारा गठित खोज-सह-चयन समिति में एक अध्यक्ष शामिल होता है जो सर्वोच्च न्यायालय का पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए, साथ ही दो न्यायिक सदस्य जो उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश होने चाहिए और दो तकनीकी सदस्य जिनके पास सार्वजनिक प्रशासन, वित्त, कानून या प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कम से कम 25 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। पैनल में शामिल विशेषज्ञ पहले से प्रकाशित मापदंडों के आधार पर उम्मीदवार के अपने फैसलों और कार्य का मूल्यांकन करेंगे। समिति की अध्यक्षता एक न्यायिक सदस्य द्वारा की

जाएगी जिसके पास निर्णायक मत होगा। यह निर्धारित समय-सीमा के तहत प्रतीक्षा सूची के साथ एक एकल नाम की सिफारिश करेगी।

एकल नाम मायने रखता है। नामों का एक पैनल अंतिम विकल्प को कार्यपालिका के पास वापस भेज देता है। यह अंतिम चरण में वही उद्देश्य निष्फल कर देता है जिसे सुरक्षित करने का उद्देश्य समिति में न्यायिक प्रधानता का था। एक नाम का निर्णय उसे ठीक वहीं रखता है जहां इसे योग्यता के आधार पर रखा गया था।

एक आलोचना प्रत्यक्ष उत्तर की हकदार है। सरकार स्वयं इन पदों को भरने में धीमी रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने जुलाई में ऐसा ही कहा था, और ऐसा कहना सही था।9 इसका उत्तर एक नया आश्वासन नहीं हो सकता। जैसा भी हो, यह संशोधन इस समस्या का भी समाधान करता है। यह एक ऐसा ढांचा होना चाहिए जिसमें देरी दिखाई दे, जवाबदेही तय हो और उसमें सुधार किया जा सके। एक स्थायी सचिवालय, एक लाइव प्रतीक्षा सूची और बताई गई समय-सीमाएं ठीक वैसा ही रिकॉर्ड बनाती हैं। जहां कोई कदम छूट जाता है, उसकी पहचान की जा सकती है और सवाल उठाए जा सकते हैं।

समान सेवा शर्तें अपने आप में दशकों से बने बकाए मुकदमों को खत्म नहीं करेंगी। जैसा कि स्थायी समिति ने सिफारिश की है, रजिस्ट्री कर्मचारियों, अदालती अवसंरचना और डिजिटल प्रणालियों में भी साथ-साथ सुधार होना चाहिए।10 लेकिन किसी भी ट्रिब्यूनल ने उसकी सुनवाई के लिए सदस्य के बिना किसी मामले का निपटारा नहीं किया है।

ए. वी. जे. हाइट्स में, फ्लैट बन चुके हैं और योजना तैयार है। जो गायब है, वह है इसे समय से पढ़ने वाली एक पीठ। कुर्सी को भरा जाना चाहिए, और यह इस लायक होनी चाहिए कि कोई उस पर बैठे। यही बात यह विधेयक पूरा करने का प्रयास करता है।

(लेखक भारत के प्रख्यात न्यायविद और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं।)

समावेशी, पारदर्शी सरकारी खरीद का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जेम

श्री पीयूष गोयल

सरकारी खरीद के लिए सरकार का ई-मार्केटप्लेस (जेम) वैश्विक स्तर पर एक पारदर्शी, समावेशी और कुशल प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जो 1.37 लाख सरकारी खरीदारों को 25 लाख विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है।

जेम प्लेटफार्म की विशेषता है कि यह खरीद से जुड़ी सभी प्रमुख गतिविधियों को एक बड़े डिजिटल मार्केटप्लेस में एकीकृत करता है। यह वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को सरकार के समावेशी विकास के साथ जोड़ता है, जिससे यह पीएम मोदी के विकासित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने वाला इंजन बन जाता है।

2016 में पीएम द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल की शुरुआत के एक दशक में, जेम ने भ्रष्टाचार को मिटाकर और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और छोटे शहरों के व्यवसायों को बढ़ावा देकर, सरकारी खरीद में क्रांति ला दी है।

उपयोगकर्ता-अनुकूल यह प्लेटफ़ॉर्म वास्तव में एक रत्न है, जिसने विवादित आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय की जगह ली है, जिसकी प्रणालियाँ अस्पष्ट और गैर-प्रतिस्पर्धी थीं। इससे खरीदारी प्रणाली के केवल कुछ सुविधा-प्राप्त लोगों को ही अनुचित फ़ायदा मिलता था।

यह उचित है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का नया, आधुनिक कार्यालय, वाणिज्य भवन, उसी ज़मीन पर बना है, जहाँ कभी वह पुरानी और संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली संस्था हुआ करती थी।

वाणिज्य और उद्योग के मंत्री के रूप में, मुझे गर्व है कि जेम, जिसे 9 अगस्त 2016 को लॉन्च किया गया था, अपनी शानदार सेवा के दस साल पूरे कर रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों का जश्न मनाने वाला पड़ाव नहीं है; बल्कि यह इस बात में एक बुनियादी और सफल बदलाव है कि कैसे सरकारी खरीद देश के निर्माण में योगदान देती है।

पारदर्शिता, व्यवसाय करने में आसानी

उत्पाद खोजने और बोली लगाने से लेकर अनुबंध देने और भुगतान करने तक, पूरी खरीद प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर जेम ने मनमाने फैसलों को खत्म किया है, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है और लोगों के भरोसे को मजबूत किया है। हर लेन-देन का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनता है जिसकी जांच की जा सकती है; इससे जवाबदेही बढ़ती है और सरकारी खरीद के प्रति निष्ठा मजबूत होती है।

जेम पीएम मोदी के व्यवसाय करने में आसानी मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एकल डिजिटल विंडो, आसान पंजीकरण, मानकीकृत प्रक्रिया और नियमित नीतिगत सुधार - जैसे अमानत राशि को ख़त्म करना और लेन-देन शुल्क को युक्तिसंगत बनाना - के जरिये जेम ने भागीदार बनने की बाधाओं को काफी हद तक कम किया है, जिससे सरकारी खरीद तक पहुंच आसान हो गयी है।

आत्मनिर्भर भारत : जेम ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उद्यमों को बढ़ावा देने के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाया है। घरेलू निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को प्राथमिकता देकर, इसने स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत किया है और देशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया है।

पोर्टल पर दिया गया हर ऑर्डर भारत की निर्माण क्षमता और आर्थिक संप्रभुता में एक निवेश है। खास बात यह है कि जेम में मात्रा के आधार पर लगभग 60% ऑर्डर और सकल माल मूल्य (जीएमवी) में 45% से ज़्यादा की हिस्सेदारी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की है।

समावेशी सरकारी खरीद : जेम, पीएम मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में सेवाएं देता है। यह स्टार्टअप्स, छोटे व्यवसायों और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को बिना किसी बाधा या मध्यस्थ के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों और सेवाओं को आसान तरीके से पेश करने का मौका देता है।

प्रवेश करने की बाधाओं को खत्म करके और सरकारी खरीद तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, जेम ने पूरे देश के छोटे व्यवसायों को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने और उस व्यावसायिक क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए सशक्त बनाया है, जिस पर कभी स्थापित कंपनियों का दबदबा हुआ करता था।

जेम के माध्यम से 12 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यमों ने 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी ऑर्डर पूरे किए हैं। 2.20 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों ने 99,713 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर हासिल किए हैं, जबकि 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स ने 65,600 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं। जेम ने 69,000 से ज्यादा एससी/एसटी उद्यमियों को सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर दिया है, और उन्होंने 23,145 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं।

विकास का उत्प्रेरक : ये उपलब्धियाँ इस बात की फिर से पुष्टि करती हैं कि जेम की भूमिका एक डिजिटल खरीद प्लेटफ़ॉर्म से कहीं ज़्यादा है। यह प्लेटफार्म समावेशी विकास, उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक है, जो सुनिश्चित करता है कि हर योग्य उद्यम को भारत के विकास में योगदान देने का समान अवसर मिले।

कई मायनों में, जेम की यात्रा 'विकसित भारत 2047' की आकांक्षाओं को दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप है - एक ऐसा भारत जो पारदर्शी, समावेशी, नवोन्वेषी और डिजिटल रूप से संप्रभु हो।

हम जेम के दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, हमारा विज़न इसे एक स्मार्ट, हरित और विश्व-स्तरीय प्लेटफ़ॉर्म के रूप में विकसित करना है, जो नई तकनीकों का उपयोग करता है और साथ ही हितधारकों, खासकर हमारे नवोन्मेषियों, स्टार्टअप्स, छोटे कारोबार, महिलाएं, युवा और छोटे शहरों और वंचित वर्गों से आने वाले उद्यमियों की भागीदारी को बढ़ाता है ।

भारत के सबसे सफल डिजिटल सरकारी खरीद इकोसिस्टम्स में से एक के रूप में, जेम यह दिखाता है कि कैसे तकनीक, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिज़ाइन सार्वजनिक खर्च में गति, दक्षता और पैसों की सही कीमत प्रदान कर सकते हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में, इस प्लेटफ़ॉर्म का वार्षिक जीएमवी 5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिससे इसका कुल मूल्य लगभग 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें अब 10,644 उत्पाद श्रेणियां और 350 सेवा श्रेणियां शामिल हैं।

चाहे वह जीवन रक्षक दवाइयाँ और टीके हों, जो अस्पतालों तक तेजी से पहुँच रहे हैं, रक्षा सामग्री और ड्रोन हों, जो कुशलता से पहुंचाए जा रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण हों, जो कक्षाओं को बदल रहे हैं, या विश्वसनीय अवसंरचना हो, जो गांवों को सशक्त बना रही है - पारदर्शी और कुशल खरीद सार्वजनिक सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करती है।

इस बदलाव के सच्चे लाभार्थी भारत के नागरिक हैं। आईआईटी दिल्ली के एक अध्ययन (जुलाई-अगस्त, 2026) में पाया गया कि जेम के माध्यम से खरीदारी से पिछले तीन वित्त वर्षों (वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26) में 86,571.69 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हुआ, जिसमें कीमत और प्रक्रिया की दक्षता से हुई बचत शामिल है। इसी तरह, अध्ययन में जेम के 101 उत्पादों की तुलना फ्लिपकार्ट, अमेज़न, इंडियामार्ट जैसे प्लेटफार्मों पर उपलब्ध समान वस्तुओं से की गई। इसमें पता चला कि जेम की कीमतें 74.3% वस्तुओं के सन्दर्भ में सस्ती थीं, जिससे लगभग 13.6% की कुल बचत हुई।

जेम पोर्टल भारत की आर्थिक वृद्धि और पीएम मोदी के विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में कार्यरत है। यह समाज के वंचित वाले वर्गों को सशक्त बनाता और उनका उत्थान करता है तथा उद्यमिता को बढ़ावा देता है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि टैक्स देने वालों का पैसा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को कुशलता-पूर्वक खरीदने में इस्तेमाल हो।

-लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं

वर्ग पहेली नं. 3521

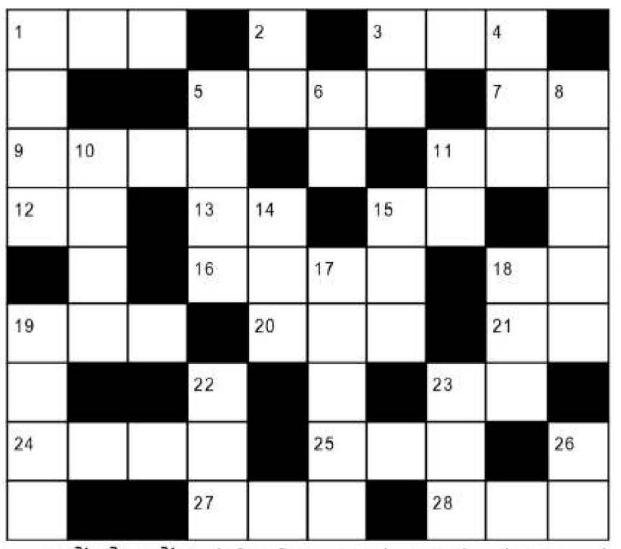

ऊपर से नीचे:- 1) एक त्योहार, 2) मैला, 3) पत्र, 4) सियार, 5) ज्ञात, 6) काबू, 8) मकड़ी का जाला, 10) वीरान, 11) सजावट, 14) दोज़ख़, 15) खाल का बना पानी भरने थैला, 17) छटपटाना, 18) बेशर्म, 19) अवश्य, 22) स्वच्छ, 23) साधन; शिक्षा की भाषा, 26) ज़रा-सा.

(उत्तर: अगले अंक में)

बायें से दायें:- 1) प्रेम में पागल, 3) नाराज़गी, 5) शत्रुता, 7) कश *(धूम्रपान)*, 9) श्रीकृष्ण के पिता, 11) पक्का रास्ता, 12) अंतर्धान, 13) बंदूक *(अंग्रेजी)*, 15) शरीरांतर्गत नलीदार हड्डी के अंदर का गूदा, 16) तीर रखने का चोंगा, 18) अनुचित; अनैतिक, 19) झक्की, 20) टीस, 21) सवाल का जवाब, 23) ईश्वरीय शक्ति, 24) गदीला, 25) नज़दीकी, 27) बोना *(पौधा)*, 28) दाँतों के नीचे-ऊपर का मांस.

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3487

2		3	8		1			9
	1		5		3			
	5		4	2			8	
4		1	9	3	6		2	
						6	9	3
		6		5	2	1		
			2	7	4			
3	9	4		1		8		
		5					1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3486 का उत्तर

5	7	4	2	6	1	9	8	3
6	1	2	9	3	8	5	7	4
8	3	9	7	4	5	2	6	1
9	2	1	6	5	7	3	4	8
7	8	3	1	9	4	6	5	2
4	5	6	8	2	3	1	9	7
3	4	8	5	1	6	7	2	9
1	9	5	4	7	2	8	3	6
2	6	7	3	8	9	4	1	5

'हर घर तिरंगा' के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली

चमकता राजस्थान

दौसा ।(ब्यूरो, दीपक शर्मा बामनवास)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने एवं जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा,हम एक साथ हैं' थीम पर सोमवार को जिला कलक्ट्रेट से गांधी तिराहे तक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर जिला कलक्ट्रेट परिसर से गौरवमयी तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा सोमनाथ सर्कल होते हुए गांधी तिराहे पर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली का मुख्य आकर्षण विशाल तिरंगा रहा।

राष्ट्रभक्ति के अद्भुत रंगों से सराबोर तिरंगा यात्रा में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, स्काउट एवं गाइड, छात्र-छात्राएं तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी पूर्ण उत्साह के साथ शामिल हुए। सभी ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के उद्घोष से वातावरण को देशभक्ति की पावन ऊर्जा से भर दिया।

यात्रा में सबसे आगे पुलिस के घुड़सवार दल के बाद स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं तथा स्काउट-गाइड के बच्चे चल रहे थे। उनके हाथों में विशाल तिरंगा था और दिलों में देशभक्ति का जोश था। इनके पीछे स्कूटी, बाइक, ऑटो, कार एवं ट्रैक्टर सवार अपने वाहनों पर तिरंगा झंडा लगाकर उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए।

इस दौरान रंग-बिरंगे झंडों, पारंपरिक वेशभूषा, सुसज्जित बैनरों और देशभक्ति गीतों ने जन-जन में नई ऊर्जा और राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। यात्रा में शामिल प्रतिभागियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को नमन किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, भारत की एकता-अखंडता एवं सांस्कृतिक विरासत पर आधारित संदेश जनमानस तक पहुंचाने के लिए देशभक्ति गीत एवं कविताओं का गुंजन किया गया तथा रंगोली भी सजाई गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि तिरंगा रैली के माध्यम से तिरंगे के सम्मान, राष्ट्रप्रेम, एकता एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य है। उन्होंने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत आमजन से अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने का आ''ान किया।

इस अवसर पर तिरंगा यात्रा में नगर परिषद के पूर्व सभापति राजकुमार जायसवाल, सुरेश घोषी, जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर मीणा,दौसा उपखंड अधिकारी संजू मीणा,नगर सुधार न्यास सचिव गंगाधर मीणा, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मीणा, जिला परिषद सदस्य नीलम गुर्जर, डॉ. रतन तिवाड़ी, महेंद्र चांदा, लेखपाल कसाना,भूपेंद्र सिंह, नवीन शर्मा, मंजू लता जाटव, ममता सैनी, सरोज मीणा, मंजू साहू, उर्मिला जोशी, लक्ष्मी दीक्षित, मनीषा जैमन, सिकदर वधावन, किशोरी लाल बैरवा, रामप्रसाद गुजर, रतीश खेरवाल, गोपाल भट्टाचार्य, दुवारका प्रसाद छोकरवाडा, भूपेन्द्र सिंह राजपूत, पूरण सैनी,सोनू शर्मा,बाबू लाल जैमन, कैलाश नागालगोविंद, श्याम बेडोली, राजेंद्र छिपा,रिकी पोइंटिंग, सियाराम शर्मा एडवोकेट, नीरज शर्मा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली

चमकता राजस्थान/बालोतरा/संवाददाता। हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पादरू की ओर से तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में विद्यालय की छात्राओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया। छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराने का संदेश दिया। रैली विद्यालय परिसर से रवाना होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरी। छात्राओं ने अनुशासित ढंग से मार्च करते हुए राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से कस्बे का माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। जगह-जगह लोगों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य अल्का भुंड ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा देश के प्रति कर्तव्य, एकता और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्राओं से राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग व बलिदान को याद रखने का आह्वान किया। रैली में विद्यालय के शिक्षक, कार्मिक और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

दीक्षित बरगोट के जन्मदिन पर प्राथमिक विद्यालय में शिक्षण सामग्री वितरित

चमकता राजस्थान/सेमारी। सेमारी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरगोट में अध्ययनरत विद्यार्थी दीक्षित बरगोट का जन्मदिन विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया इस अवसर पर छात्र के पिता हीरालाल बरगोट ने विद्यालय में अध्ययनरत सभी बालक-बालिकाओं को पेन पेंसिल रबर और नोटबुक (कॉपी) वितरित कर अपने पुत्र का जन्मदिन अनूठे अंदाज़ में मनाया अपने सहपाठी के जन्मदिन पर उपहार और शिक्षण सामग्री पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे समारोह के दौरान संस्था प्रधान जवानसिंह परमार एवं अध्यापिका संतोष मीणा ने भामाशाह हीरालाल बरगोट का ऊपरणा ओढ़ाकर भावभीना स्वागत किया तथा विद्यालय परिवार की ओर से इस सराहनीय पहल के लिए आभार प्रकट किया संस्था प्रधान ने छात्र दीक्षित को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बडावली स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरूः छात्र-छात्राओं ने परेड का अभ्यास किया

चमकता राजस्थान/सेमारी। सेमारी उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बडावली स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव सोनी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों का अभ्यास किया मंगलवार को हुए अभ्यास सत्र में विद्यार्थियों ने परेड कदमताल और अनुशासन से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा लिया। विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक परेड की तैयारियां कीं।प्रधानाचार्य राजीव सोनी ने विद्यार्थियों को परेड के दौरान अनुशासन एकरूपता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय में नियमित रूप से अभ्यास कराया जा रहा है इस दौरान विद्यालय में कांतिलाल जैन धुलाराम पटेल रमेश चंद्र हडात धुलाराम गायरी खुशाल वरनोती और नाथूलाल पटेल उपस्थित रहे।

नागोर जिले भूमि विवाद में छह निर्दोष लोगों की कुकर्तापूर्वक हत्या कर दी गई थी न्यायालय ने 40 आरोपियों को किया बरी

एससी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष हेमंत बेरवा के नेतृत्व में झालावाड़ जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान

गोपाल सिलोरिया करावन/झालावाड़ 11 अगस्त। जिला कांग्रेस कमेटी, अनुसूचित जाति विभाग, झालावाड़ की ओर से जिला अध्यक्ष हेमन्त बैरवा के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन कांग्रेस एस.सी. प्रकोष्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों ने पैदल मार्च करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय में पहुंच कर नागौर जिले के डांगावास गांव में 14 मई 2015 को हुई उस अत्यंत विदारक और नृशंस घटना को लेकर ज्ञापन दिया गया। जिला अध्यक्ष हेमन्त बैरवा ने बताया कि भूमि विवाद के चलते दलितों सहित 6 निर्दोष लोगों की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी जिसमें सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया गया है। इस निर्णय के बाद पीड़ित परिवार, अनुसूचित जाति वर्ग एवं पूरे प्रदेश की जनता के मन में एक अत्यंत पीड़ादायक और गंभीर संवैधानिक सवाल खड़ा हो गया है। इसी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी, अनुसूचित जाति विभाग, झालावाड़ ने जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन देकर मांग की गई कि उच्च न्यायालय में अपील कर राज्य सरकार और सीबीआई को निर्देशित किया जाए कि वे इस निर्णय के विधिक पहलुओं का गहन परीक्षण कर तुरंत माननीय उच्च न्यायालय में पुनर्विचार/सक्षम अपील प्रस्तुत करें ताकि पीड़ित परिवारों को वास्तविक न्याय मिल सके। जांच की कमियों की समीक्षा इस बात की उच्च स्तरीय जांच हो कि केंद्रीय एजेंसी (सी.बी. आई.) और अभियोजन पक्ष के स्तर पर वे कौन सी गंभीर त्रुटियां रहीं, जिनके कारण अदालत में दोषियों को सजा नहीं मिल सकी और न्याय अधूरा रह गया। पीड़ित परिवार की सुरक्षा और न्याय पीड़ित परिवारों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए तथा उन्हें त्वरित व उचित प्रतिकर (मुआवजा) सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन देने वालो में छीतरलाल बैरवा, गोपाललाल मेघवाल, शंकरलाल रेगर, राजेश बैरवा, शिवराज रेगर, पूर्व पार्षद राहुल गोयल, दिनेश मेघवाल एडवोकेट, विकास नागर एडवोकेट, विजय सिंह जनपद, प्रकाशचन्द बैरवा, घनश्याम मेघवाल, दयाराम मेघवाल, घनश्याम मेरोठा, लालचन्द रेगर, बृजमोहन यादव, राजेन्द्र मरोठा, दीपक रेगर, दशरथ बैरवा, बालचन्द मेघवाल, शुभम यादव, पृथ्वीराज रेगर, सुशील कुमार, राजकुमार, अविनाश कुमार सहित पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जसमीत कौर सलूजा सम्मानित

चमकता राजस्थान/ब्यावर। 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हिंदू हेल्प लाइन के तत्वावधान में ''राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान-2026'' समारोह का आयोजन रविवार को ब्रह्मानंद धाम, ब्यावर में किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवा एवं राष्ट्रहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में महिला पतंजलि योग समिति, जिला ब्यावर की जिला प्रभारी जसमीत कौर सलूजा को योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान, योग के प्रचार-प्रसार तथा समाज में स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

जसमीत कौर सलूजा लंबे समय से योग प्रशिक्षण, योगासन खेल एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में विभिन्न योग शिविरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने योग को घर-घर तक पहुंचाने तथा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष भंवर सिंह पलाड़ा , प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विधायक शंकर सिंह रावत ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए समाजसेवा एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।

सम्मान प्राप्त करने पर जसमीत कौर सलूजा ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें योग एवं समाजसेवा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ''योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संस्कारित और सशक्त समाज के निर्माण का माध्यम है।''

विधायक नौक्षम चौधरी ने पहाड़ी कार्यालय पर की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

चमकता राजस्थान

पहाड़ी/संवाददाता। विधायक नौक्षम चौधरी ने मंगलवार को पहाड़ी स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई कर क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक के समक्ष पहुंचे और उन्हें अपनी शिकायतों से अवगत कराया।

विधायक नौक्षम चौधरी ने एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा कर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, बिजली, पानी, सफाई, जल निकासी, राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका से संबंधित विभिन्न समस्याएं भी सामने आईं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का स्थायी समाधान करने तथा जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें मौके पर ही कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम जोगेंद्र गुर्जर, सीओ अमर सिंह, नगर पालिका पहाड़ी के ईओ राजकुमार खड़ेलवाल, पहाड़ी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह, गोपालगढ़ थाना अधिकारी राम निवास सहित क्षेत्र के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक ने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से ही आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है।

जनसुनवाई के दौरान पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं को सीधे विधायक के सामने रखने पर संतोष जताया। विधायक ने आश्वासन दिया कि जनसुनवाई में सामने आने वाली समस्याओं की संबंधित विभागों से लगातार समीक्षा की जाएगी और समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विद्यालय में लगाए 500 पौधे

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ पाली जेके। जीवन्द कलां राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दहाई में मंगलवार को राज्य सरकार के 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माजीसा रॉयल्टी फर्म की ओर से विद्यालय के खेल मैदान एवं परिसर में विभिन्न किस्मों के करीब 500 पौधे लगाए गए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लालाराम प्रजापत ने पौधरोपण कर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मण सिंह सोलंकी ने भामाशाह समूह 'माजीसा रॉयल्टी' के प्रतिनिधि जितेंद्र चौधरी एवं देवेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया।

लवाजमे के साथ निकले घास भेरू नगर भ्रमण करने

चमकता राजस्थान/सुरेश खटाना। चौथ का बरवाड़ा हर वर्ष की भांति रात्रि भव्य जागरण का किया गया आयोजन सर्व समाज द्वारा घास भेरू मंदिर चुंगी नाका बस स्टैंड पर रात सारी रात भव्य जागरण आयोजन किया गया चौथ माता नगरी भजनों से गूंज रही थी सैकड़ों महिलाओं पुरषो ने जागरण में भाग लेकर एक एक से बढ़कर एक भजनो को प्रस्तुति सुनी और भजनों का भरपूर आनंद लिया समिति सदस्य कमलेश गुर्जर ने बताया कि प्रातः 9:00 बजे से घास भेरू मंदिर से नगर भ्रमण यात्रा पर निकले जिसमें ट्रैक्टरों से जोड़कर घास भेरू को नगर भ्रमण करवाने हजारों ग्राम वासियों ने भाग लिया ।यात्रा में महिलाएं नाचते कूदते जयकारों के साथ चल रही थी भगवान देवनारायण तेजाजी महाराज भैरुजी महाराज के गीतों पर तिरकती नजर आई युवतियां ।तो नवयुवक जयकारों के साथ चलते नजर आए ।यात्रा चूंगी नाका से शुरू होकर पापड़ चौराहा होते हुए भेड़ौला माताजी रोड से गुजरती हुई पहुंची ।बाजार में बाहर से आने वाले यात्रियों सहित ग्रामीणों ने यात्रा देखकर बताया कि बरवाड़ा वासीयो ने घास भेरू की नगर भ्रमण यात्रा बहुत बहुत अच्छी निकाली है सराहनीय यात्रा देखी गई।

'महिला सुरक्षा संकल्प' कार्यक्रम के तहत मालिनी अग्रवाल, महानिदेशक पुलिस (यातायात) द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया

चमकता राजस्थान

ब्यावर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव शर्मा, के निर्देशानुसार 01.जुलाई .26 से 29.जुलाई 26 तक सम्पूर्ण राजस्थान में चलाया गया। इसी परिपेक्ष्य में जिला ब्यावर में पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर डॉ. अनुकृति उज्जैनिया के नेतृत्व में महिला सुरक्षा संकल्प अभियान चलाया गया। 10.अगस्त 2026 को वर्धमान महाविद्यालय में प्रातः 9.00 बजे ₹महिला सुरक्षा संकल्प₹ कार्यक्रम के तहत मालिनी अग्रवाल, महानिदेशक पुलिस (यातायात) द्वारा ब्यावर जिले की महिलाओं व बालिकाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महानिदेशक के साथ महिला सुरक्षा संकल्प अभियान की प्रभारी सुनीता मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। पुलिस अधीक्षक ब्यावर द्वारा 01.जुलाई 26 से 29.जुलाई .26 तक जिला ब्यावर में चलाये गये अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।महानिदेशक पुलिस, यातायात मालिनी अग्रवाल द्वारा महिला सुरक्षा से सम्बन्धित जागरूकता बढ़ाना, महिला सुरक्षा की योजनाओं, हेल्पलाइन, राजकॉप सिटीजन एप, हेल्पलाईन नम्बरों का जानकारी, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, वरिष्ठ जन सम्बल योजना, साइबर सेफ्टी, नवीन न्याय संहिता, एकल बुजुर्ग दम्पतियों से संवाद, स्लम एरिया एवं महिला श्रमिकों से संवाद बालक बालिकाओं में जेण्डर सेसटाइजेशन एवं महिला पुलिस कर्मियों को महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में विस्तार से बताया तथा स्कूल/कॉलेजों में बालिकाओं / महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रशिक्षण दिलवाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के पश्चात आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से महानिदेशक पुलिस, यातायात द्वारा वर्धमान महाविघालय से पुलिस थाना ब्यावर सिटी तक वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ब्यावर सिटी पर भी बालिकाओं के संवाद कार्यक्रम भी रखा गया।कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कमल राम मीणा द्वा-रा भी महिलाओं की सुरक्षा तथा राज्य सरकार द्वारा जारी योजनाओं के बारे में बताया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनिता मीणा द्वारा कार्यक्रम में राजकॉप सिटीजन एप तथा आत्मरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में हर स्तर पर महिला सुरक्षा से सम्बन्धित जागरूकता बढ़ाने / हेल्पलाईन नम्बरों की जानकारी, त्वरित पुलिस कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा राजकॉप ऐप, महिला गरिमा हेल्प लाईन-1090, साइबर हेल्पलाइन-1930, साइबर सेफ्टी, महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना, वरिष्ठ जन संवाद योजना, नवीन न्याय संहिता, महिला अपराधों में सजा, वन स्टॉप काइसिस सेंटर, नौकर एवं किरायेदार का सत्यापन, विशाखा गाईल लाइन एवं कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, नियोक्ता की ड्यूटी, पोक्सो रूल्स इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। स्कूली बालिकाओं ने भी विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की। महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम लगातार जिले में आगे भी निरन्तर जारी रहेगा।

डॉ मंजू बाघमार ने किया तिरंगा मेला व तिरंगा प्रदर्शनी का उद्घाटन

देश की शान और हमारा अभिमान, हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना : डॉ. बाघमार

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंगलवार को नागौर के टाउन हॉल में तिरंगा मेले व तिरंगा प्रदर्शनी का शुभारंभ राजस्थान सरकार की सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री डॉ. मंजू बागमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने तिरंगा प्रदर्शनी और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर जानकारी ली। तिरंगा प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, स्वरूप, महत्व एवं राष्ट्रीय जीवन में इसकी गरिमा से आमजन को अवगत कराने के उद्देश्य से विभिन्न स्टैंडी, पोस्टर तथा सूचना एवं ज्ञानवर्धक साहित्यिक सामग्री प्रदर्शित की गई। वहीं तिरंगा मेले के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, सम्मान और देश के प्रति इसके गौरवपूर्ण भाव से अवगत कराया गया।

प्रदर्शनी में कृषि विभाग, पशुपालन विभाग तथा राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। मुख्य अतिथि डॉ. बाघमार ने इन स्टॉलों का अवलोकन किया तथा महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों एवं गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की शान है और हमारा अभिमान है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य यही है कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना और अधिक मजबूत हो तथा हर व्यक्ति में देशभक्ति की भावना जागृत हो। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे मान और सम्मान का प्रतीक है तथा प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करे । उन्होंने उपस्थित जनों से 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश के विकास के साथ-साथ महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में माननीय मंत्री ने उपस्थित जनों को तिरंगा सम्मान की शपथ दिलाई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर नागौर जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राम रतन सौंकरिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत सिंह गोदा-रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित हुए ।

कृषि विभाग, जनसंपर्क विभाग एवं शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित यह तिरंगा प्रदर्शनी एवं तिरंगा मेला 11 एवं 12 अगस्त को टाउन हॉल नागौर में आमजन के लिए निःशुल्क खुला रहेगा। आमजन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक प्रदर्शनी एवं मेले का अवलोकन कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों, विद्यार्थियों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर तिरंगा प्रदर्शनी एवं मेले का अवलोकन करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और सम्मान से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य मंत्री डॉ. बाघमार ने जनसुनवाई कर सुनी आमजन की समस्याएं

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर पीडब्ल्यूडी, महिला व बाल विकास तथा बाल अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने मंगलवार को नागौर स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं, युवा अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। राज्य मंत्री डॉ. बाघमार ने जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को विस्तार से जाना तथा संबंधित विभागों से जुड़े प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने आमजन की समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

तकनीकी कर्मचारियों की मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

- इंटर डिस्कॉम तबादला नीति बनाने से लेकर हार्ड ड्यूटी एलाउंस व पदोन्नति की मांग

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी संगठन की ओर से सोमवार को तकनीकी कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सहायक अभियंता, श्रीनगर को ज्ञापन सौंपा गया। कर्मचारियों ने मांगों का शीघ्र समाधान कर राहत देने की मांग की।

ज्ञापन में इंटर डिस्कॉम तबादला नीति लागू करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। कर्मचारियों ने कहा कि तकनीकी कार्मिकों को नियुक्ति के बाद स्थानांतरण को लेकर स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति का लाभ मिलना चाहिए। साथ ही टाइम बाउंड पदोन्नति का परिलाभ नियुक्ति की तिथि से देने की मांग की गई।

संगठन ने तकनीकी कर्मचारियों को कार्य की जोखिम एवं कठिन परिस्थितियों को देखते हुए हार्ड ड्यूटी एलाउंस देने, निशुल्क बिजली सुविधा उपलब्ध कराने तथा वर्तमान साइकिल अलाउंस के स्थान पर मोटरसाइकिल अलाउंस देने की मांग उठाई। इसके अलावा विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई तकनीकी कार्मिकों की भर्ती करने की भी मांग की गई। ज्ञापन में डिप्लोमा धारक तकनीकी कर्मचारियों को कनिष्ठ अभियंता द्वितीय के पद पर पदोन्नति प्रदान करने की मांग भी शामिल रही। कर्मचारियों ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में लंबे समय से सेवाएं दे रहे कार्मिकों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें उनके अनुभव और योग्यता के अनुरूप पदोन्नति का अवसर दिया जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान भूपेंद्र सिंह मीणा, सीताराम रावत, सुखदेव रावत, सांवरमल मीणा, सुरेश रावत सहित संगठन के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएलजी बैठक में गूंजा नगर की सुरक्षा का मुद्दा

बंद सीसीटीवी कैमरे चालू करने, यातायात व्यवस्था सुधारने और अस्थाई पुलिस चौकी खोलने की मांग

चमकता राजस्थान

धरियावद। थाना परिसर में आला अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएलजी बैठक आयोजित की गई। पुलिस उप अधीक्षक नाना लाल सालवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीएलजी के नए सदस्यों को जोड़ा गया तथा नगर की कानून व्यवस्था एवं आमजन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा, सहायक पुलिस निरीक्षक कल्याण सिंह, नाथू सिंह, हेड कांस्टेबल मोहन पाल सिंह, सूचना अधिकारी अजयपाल सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर विकास, रीडर कांस्टेबल युगल माली सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएलजी सदस्यों ने नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने, विभिन्न स्थानों पर लंबे समय से बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को पुनः चालू करवाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अस्थाई पुलिस चौकी खोलने की मांग प्रमुखता से रखी। बैठक में प्रताप मेहता, राजनैतिक से भा ज पा के पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल विजयवर्गीय, पिंटू चौधरी, अधिवक्ता हरिसिंह कोठारी, आदित्य कोठारी, शम्भु मीणा,बुखराज भाई महिला से प्रमोद नाथ रसहित अन्य सदस्यों ने नगर की समस्याओं से पुलिस अधिकारियों को अवगत करवाया। सदस्यों ने कहा कि नगर में बढ़ते आवागमन को देखते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार जरूरी है। वहीं बंद सीसीटीवी कैमरों के कारण नगर की निगरानी व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

वीसी के माध्यम से आला अधिकारियों ने दिए निर्देश

बैठक के दौरान वीसी कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आला पुलिस अधिकारियों ने भी संवाद किया। अधिकारियों ने कहा कि जनता और पुलिस के बीच दूरी कम कर बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली सूचनाओं एवं शिकायतों की गंभीरता से जांच कर तथ्य सामने लाने तथा आमजन की शिकायतों पर त्वरित सुनवाई करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने सीएलजी सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

इस दौरान मीडिया से गेंदमल पालीवाल, राजकुमार कोठारी, पत्रकार अबतक बंटी भाई कोठारी, राहुल पालीवाल, राजमल पालीवाल सहित सीएलजी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत डीग में प्रदर्शनी का आयोजन

चमकता राजस्थान/डीग। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत डीग में 11 एवं 12 अगस्त को के.एल. जोशी विद्यालय के सभागार में प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी के माध्यम से जिले की स्थानीय कला, उत्पादों एवं ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को आमजन के समक्ष प्रदर्शित किया जा रहा है। प्रदर्शनी में डीग जिले के स्थानीय उत्पादों, खादी समिति के चरखे एवं खादी उत्पादों, एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत मार्बल की मूर्तियों तथा राजीविका के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कला एवं शिल्प को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ जिले के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को व्यापक पहचान एवं बाजार उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी में खादी के चरखे एवं उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र हैं, वहीं डीग की मार्बल मूर्तियां जिले की विशिष्ट कला एवं शिल्प परंपरा को प्रदर्शित कर रही हैं। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पादों को देखकर आमजन एवं आगंतुकों ने रुचि दिखाई तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की।

देशभक्ति का असली अर्थ : राष्ट्र सर्वोपरि, कर्तव्य सर्वोच्च और भारत का भविष्य हमारे हाथों में

रामदास तरुण
धौलपुर लेखक

भारत में नशा मुक्ति भी सच्ची देशभक्ति का महत्वपूर्ण स्वरूप है। नशे से मुक्त युवा ही स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। युवाओं को नशे से दूर रखना, नशाग्रस्त व्यक्ति को पुनर्वास का अवसर देना और समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना भी राष्ट्रसेवा है। जिस युवा शक्ति की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगेगी, वही भारत को मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाएगी।

भारत में देशभक्ति केवल तिरंगे को सलाम करने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति के नारे लगाने का नाम नहीं है

देशभक्ति वह भावना है, जो व्यक्ति को राष्ट्र के प्रति समर्पित होने, अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाने और देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देती है।सच्चा राष्ट्रप्रेम भावनाओं के साथ-साथ जिम्मेदारी और कर्म में दिखाई देता है। भारत की आजादी का इतिहास त्याग, संघर्ष और बलिदान की अमर गाथाओं से भरा हुआ है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित असंख्य ज्ञात-अज्ञात महान व्यक्तित्वों ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने वर्तमान का बलिदान देकर हमें स्वतंत्र भविष्य दिया।सीमा पर देश की रक्षा करते हुए, प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिक देशभक्ति की सर्वोच्च मिसाल हैं। उनके बलिदान हमें बताते हैं, कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि त्याग और कर्तव्य से सुरक्षित रहते हैं। आज देशभक्ति का स्वरूप और व्यापक हुआ है। हर नागरिक अपने कार्य को ईमानदारी और निष्ठा से करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। किसान खेत में मेहनत करता है, शिक्षक नई पीढ़ी को ज्ञान देता है, चिकित्सक जीवन बचाता है, वैज्ञानिक नई खोज करता है, श्रमिक विकास की नींव मजबूत करता है, और युवा अपनी प्रतिभा से भारत का भविष्य गढ़ता है। इन सभी के कर्म में देशभक्ति की वास्तविक तस्वीर दिखाई देती है।

देशभक्ति का सबसे महत्वपूर्ण आधार कर्तव्यबोध है। हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि देश हमें क्या दे रहा है, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे रहे हैं।

यातायात नियमों का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, स्वच्छता रखना, पर्यावरण बचाना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, भ्रष्टाचार से दूर रहना और जरूरतमंद की सहायता करना

-ये सभी राष्ट्रसेवा के ही रूप हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और मान्यताओं के बावजूद हम एक राष्ट्र के रूप में खड़े हैं।

इसलिए जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर नफरत पैदा करना देशभक्ति नहीं हो सकता।

एक-दूसरे के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना तथा सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना ही सच्चे राष्ट्रप्रेम की पहचान है। आज देश की युवा शक्ति के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर देशभक्ति की तस्वीरें और संदेश साझा करना आसान है, लेकिन वास्तविक देशभक्ति तब दिखाई देती है, जब युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल, रोजगार, नवाचार और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करते हैं।

नशे से दूर रहकर, शिक्षा को अपनाकर और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर युवा स्वयं भी मजबूत बन सकते हैं।और राष्ट्र को भी मजबूत कर सकते हैं।

भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में देशभक्ति को केवल भावनात्मक उत्साह तक सीमित रखने के बजाय राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनाना होगा। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहां विकास के साथ समान अवसर हों, अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भावना हो, विज्ञान के साथ मानवीय संवेदनाएं हों और प्रगति के साथ सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित हो। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर केवल तिरंगे को सलाम करने तक सीमित न रहें। संकल्प लें कि हम ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाएंगे, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करेंगे, समाज में भाईचारा बढ़ाएंगे, कमजोर और वंचित लोगों का साथ देंगे।

भारत को मजबूत, समृद्ध, स्वच्छ, शिक्षित और संवेदनशील राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

क्योंकि देशभक्ति केवल कहने की चीज नहीं, जीने की भावना है। राष्ट्र केवल हमारी पहचान नहीं, हमारी जिम्मेदारी भी है। भारत का भविष्य किसी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि हम सबके कर्म और संकल्प में छिपा है।

अजमेर सरस डेयरी में उल्लास व भक्ति का संगम: सहस्त्रधारा पूजा एवं भगवान कार्तिक की मूर्ति स्थापना का भव्य आयोजन

डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने धर्मपत्नी मूली देवी के साथ की विशेष पूजा- अर्चना; समस्त दुग्ध उत्पादकों एवं डेयरी परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर। अजमेर सरस डेयरी प्रांगण आज वैदिक मंत्रोच्चार और शिव के जयकारों से गुंजायमान रहा। डेयरी परिसर में पूरे विधि-विधान व पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ 'सहस्त्रधारा पूजा' तथा 'भगवान कार्तिक की मूर्ति स्थापना' का पावन कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अत्यंत शुभ एवं भक्तिमय अवसर पर अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मूली देवी के साथ पूरे विधि-विधान से पूजा में बैठकर भगवान भोलेनाथ की आराधना व महाभिषेक किया।

इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में डेयरी के प्रबंध संचालक श्री रामलाल जी चौधरी, पी एंड आई प्रभारी लादूराम जी चौधरी, प्लांट प्रभारी श्री नगेंद्र जोशी, घी एवं पाउडर प्लांट प्रभारी श्री नीलेश शर्मा, पी एंड ए प्रभारी श्री ओमप्रकाश गुर्जर, मार्केटिंग प्रभारी श्री मुकेश जी पडोदा तथा वित्त एवं लेखा प्रभारी श्री रोशन कुमार जैन सहित डेयरी के समस्त अधिकारीगण व कर्मचारी पूरे भक्तिभाव के साथ उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर पूर्ण उत्साह और श्रद्धा के साथ इसपुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान भोलेनाथ और श्री कार्तिकेय जी के समक्ष विशेष प्रार्थना की गई। अध्यक्ष श्री रामचन्द्र चौधरी एवं उपस्थित सभी जनों ने अजमेर सरस डेयरी परिवार तथा संस्था की रीढ़ माने जाने वाले समस्त दुग्ध उत्पादक किसान परिवारों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

इस पावन अवसर पर यह कामना की गई कि भगवान शिव की असीम कृपा सभी पर सदैव बनी रहे तथा अजमेर सरस डेयरी निरंतर प्रगति, उन्नति और सफलता के नए शिखरों को स्पर्श करते हुए विकास के पथ पर अग्रसर रहे। अजमेर डेयरी की स्थापना के पश्चात 50 वर्ष के कार्यकाल में प्रथम बार कार्यक्रम किया गया।

संक्षिप्त समाचार

श्रीगंगानगर में सावन शिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीगंगानगर शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में मंगलवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्राचीन शिवालय, एसएसबी रोड स्थित शिव मंदिर सहित विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

सावन शिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर ''बम-बम भोले'' और ''हर-हर महादेव'' के जयघोष से भक्तिमय हो उठे। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। कई मंदिरों में विशेष रुद्राभिषेक, शिव महाआरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रसाद वितरण, पेयजल और जल सेवा की विशेष व्यवस्थाएं भी की गईं। दिनभर मंदिरों में भक्तों की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण शिवमय नजर आया।

सावन शिवरात्रि के इस पावन पर्व पर श्रीगंगानगर शहर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के रंग में रंगा दिखाई दिया, जहां हर ओर भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

विधायक नौक्षम चौधरी ने पहाड़ी कार्यालय पर की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

चमकता राजस्थान/संवाददाता राकिब खांन/पहाड़ी। विधायक नौक्षम चौधरी ने मंगलवार को पहाड़ी स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई कर क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक के समक्ष पहुंचे और उन्हें अपनी शिकायतों से अवगत कराया।

विधायक नौक्षम चौधरी ने एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा कर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, बिजली, पानी, सफाई, जल निकासी, राजस्व, पुलिस एवं नगर पालिका से संबंधित विभिन्न समस्याएं भी सामने आईं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का स्थायी समाधान करने तथा जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें मौके पर ही कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम जोगेंद्र गुर्जर, सीओ अमर सिंह, नगर पालिका पहाड़ी के ईओ राजकुमार खड़ेलवाल, पहाड़ी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह, गोपालगढ़ थाना अधिकारी राम निवास सहित क्षेत्र के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक ने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से ही आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं को सीधे विधायक के सामने रखने पर संतोष जताया। विधायक ने आश्वासन दिया कि जनसुनवाई में सामने आने वाली समस्याओं की संबंधित विभागों से लगातार समीक्षा की जाएगी और समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर ब्यावर में निकली तिरंगा रैली

- **राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव की रक्षा का लिया संकल्प**

चमकता राजस्थान/ब्यावर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) ब्यावर, ग्राम ब्यावर खास में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में चिकित्सा कार्मिकों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश दिया।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. नेहा शर्मा ने उपस्थित कर्मचारियों एवं आमजन को हर घर तिरंगा अभियान के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने सभी को देश की एकता, अखंडता एवं गौरव की रक्षा करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। साथ ही परिवार एवं गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षक पीपा चौधरी, एएनएम ममता शर्मा, आयुषी पुष्पा वैष्णव, अनिता, आशा, इंद्रा, प्रेमलता, विमला सहित आशा सहयोगी उपस्थित रहीं। ग्रामीणों में शिवानी, प्रियंका, दिशा, रेखा एवं मंजू सहित अन्य ग्रामीणों ने भी रैली में सहभागिता निभाई।

रावणा राजपूत समाज ने ओबीसी आयोग के सर्वे के आंकड़ों पर जताया विरोध

प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

चमकता राजस्थान

जयपुर। श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग के सर्वेक्षण से संबंधित 05 अगस्त 2026 को सामने आए आंकड़ों पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि रावणा राजपूत समाज के सामने आए आंकड़े समाज की वास्तविक जनसंख्या की तुलना में अत्यंत कम हैं। इससे सर्वेक्षण की प्रक्रिया, पूर्णता एवं आंकड़ों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

सोडाला ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वेक्षण के दौरान अनेक परिवारों से संपर्क नहीं किया गया। कई स्थानों पर तकनीकी समस्याओं, अनुमानित डेटा एंट्री तथा सर्वेक्षण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायतें भी सामने आई हैं। कई जगह प्रगणको के वोटर लिस्ट देकर अंदाज से आंकड़े अपलोड करने की खबरे भी आई है। ऐसी परिस्थितियों में प्राप्त आंकड़ों को अंतिम एवं प्रमाणिक मानना उचित नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि यह जातिगत जनगणना नहीं, बल्कि आयोग द्वारा कराया गया सर्वेक्षण है, इसलिए इसे जातिगत जनगणना के रूप में प्रचारित करना भ्रामक है। सरकार को आयोग की संपूर्ण रिपोर्ट, आधारभूत आंकड़े और सर्वेक्षण की पद्धति तत्काल सार्वजनिक करनी चाहिए तथा आंकड़ों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सत्यापन कराया जाना चाहिए। साथ जी गाँव, वार्ड, तहसील, जिलावार आंकड़े भी सार्वजनिक करने चाहिए।

रणजीत सिंह सोडाला ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने रावणा राजपूत समाज सहित ओबीसी वर्ग के आंकड़ों की वास्तविकता स्पष्ट नहीं की और सर्वेक्षण की कमियों का स्वतंत्र सत्यापन नहीं कराया, तो अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान समाज के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तर-ीके से बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होगा।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सर्वेक्षण में छूटे परिवारों का पुनः सत्यापन कराया जाए, गांव/वार्ड, तहसील एवं जिला स्तर के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं तथा वास्तविक जनसंख्या एवं सामाजिक-राजनीतिक प्रतिनिधित्व के आधार पर डइउ वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित किया जाए।

रावणा राजपूत समाज अपने अधिकारों और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। सरकार को पारदर्शी एवं प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर न्यायसंगत निर्णय लेना होगा।

अपराध रोकने में आमजन का सहयोग जरूरी : रत्नु

सीएलजी बैठक में स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन व धार्मिक त्योहार शांतिपूर्वक मनाने की अपील

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/ गुड़ा एंदला/पाली। गुड़ा एंदला थाना परिसर में मंगलवार को सीएलजी सदस्यों की बैठक पुलिस उप अधीक्षक पाली ग्रामीण अमरसिंह रत्नु एवं थानाधिकारी दर्शनसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं अन्य धार्मिक त्योहारों को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक मनाने को लेकर चर्चा की गई।

पुलिस उप अधीक्षक अमरसिंह रत्नु ने कहा कि अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के साथ आमजन का सहयोग भी बेहद जरूरी है। उन्होंने सीएलजी सदस्यों से क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर मिली सूचना से पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने और कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

- **अनजान लोगों की गतिविधियों पर रखें नजर**

थानाधिकारी दर्शनसिंह राठौड़ ने कहा कि गांवों में कोई अनजान व्यक्ति या फेरीवाला घूमता नजर आए तो उसकी गतिविधियों पर नजर रखें और आवश्यकता होने पर पुलिस को सूचना दें। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अनजान व्यक्ति के फोन पर ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं करें।

- **ये रहे मौजूद**

बैठक में एएसआई करणसिंह, ओटाराम, भीमाराम, सुखराज, कैलाश कुमार, भंवरलाल, राकेशकुमार, दौलतराम सहित सीएलजी सदस्य चौथाराम मीणा, कालुदास वैष्णव, छोगसिंह, हुकमसिंह खरोकडा, उमेदसिंह डेण्डा, रमेश ओझा, बगदाराम, शंकरलाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

हवलदार मेजर मंगल चंद को मिला 'राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान-2026'

चमकता राजस्थान/ब्यावर। हिंदू हेल्पलाइन द्वारा 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान-2026' समारोह में यातायात पुलिस के हवलदार मेजर मंगल चंद को उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में हवलदार मेजर मंगल चंद को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया। हिंदू हेल्पलाइन द्वारा आयोजित इस समारोह में राष्ट्र सेवा, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, समाजसेवा, खेल एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर हवलदार मेजर मंगल चंद जी ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसेवा और समाज की सुरक्षा के लिए समर्पण भाव से कार्य करना ही उनका प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने का कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने हवलदार मेजर मंगल चंद को सम्मान मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला पॉलिटेक्निक में प्रवेश का अंतिम अवसर, प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त

चमकता राजस्थान/जयपुर। गांधी नगर स्थित राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शालिनी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के समस्त महिला पॉलिटेक्निक कॉलेजों में कुछ रिक्त सीटों पर अब ऑफलाइन मोड में प्रवेश लिया जा सकता है। प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त, 2026 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में विभिन्न रोजगारोन्मुख एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा चार वर्षीय डिग्री के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम शामिल हैं। उपलब्ध पाठ्यक्रमों में कॉमर्शियल आर्ट, ब्यूटी कल्चर, कॉस्ट्यूम डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बी.एफ.ए., बी.बी.ए., बी. एससी., बी.एफ.ए. एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि इच्छुक छात्राएं/महिलाएं सीधे महाविद्यालय पहुंचकर अपने मूल दस्तावेज एवं निर्धारित शुल्क जमा करवाकर प्रवेश प्राप्त कर सकती हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए 10वीं उत्तीर्ण तथा डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 12वीं उत्तीर्ण न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित है। उन्होंने कहा कि ये पाठ्यक्रम छात्राओं को कौशल आधारित एवं रोजगारमुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद छात्राएं देश-विदेश में रोजगार एवं करियर के बेहतर अवसर प्राप्त कर रही हैं। महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, गांधी नगर, जयपुर में प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्राएं महाविद्यालय से संपर्क कर सकती हैं।

स्कूल में बच्चे की संदिग्ध मौत के बाद अस्पताल में धरना, परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप

चमकता राजस्थान

श्रीगंगानगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। सादुलशहर स्थित बाल भारती स्कूल में एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद मंगलवार सुबह श्रीगंगानगर के राजकीय चिकित्सालय में परिजनों और स्थानीय लोगों ने धरना शुरू कर दिया। घटना को लेकर क्षेत्र में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार बच्चा सोमवार शाम स्कूल में खेलने गया था। कुछ देर बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल परिसर में लगे वाटर कूलर में करंट आने से बच्चे की जान गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी नहीं हुई है और यह जांच तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

घटना के बाद देर रात परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग राजकीय चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मंगलवार सुबह परिजनों ने अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, बच्चे का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। परिजनों का कहना है कि यदि जांच में स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की और मामले की जांच जारी होने की बात कही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष का इंतजार किया जा रहा है।

गैर सरकारी विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं ओर मांगो को लेकर भीनमाल विधायक को सौपा ज्ञापन

समय रहते मांगो को सरकार ने नहीं माना तो 21 अगस्त से राजस्थान विधानसभा का करेंगे घेराव- भाटी

चमकता राजस्थान

टीकमाराम भाटी भीनमाल (जालौर)। स्कूल शिक्षा परिवार के संभाग प्रभारी ललित शर्मा एवं भीनमाल ब्लॉक अध्यक्ष टीकमाराम भाटी के नेतृत्व में गैर सरकारी विद्यालय की विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम भीनमाल विधायक डॉ समरजीत सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपकर समाधान की अपील की।

ज्ञापन के माध्यम से निजी विद्यालय संचालकों ने आए दिन होने वाली अनर्गल जांचों पर तुरंत रोक लगाने, आरटीई के तहत बकाया पुनर्भरण राशि का समय पर भुगतान डीबीटी के जरिये करने ओर कार्य में जानबूझकर देरी करने वाले लापरवाही अधिकारीयों पर कार्यवाही करने, मेरिट स्कॉलरशिप मामले में सरकारी ओर गैर सरकारी विद्यालय में भेदभाव बंद करने तथा गैर सरकारी स्कूलों के कर्मचारियों के लिए कैशलेश बीमा एवं एक्सीडेंट बिना योजना लागु करने की मांगो को लेकर विधायक महोदय का ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन स्वीकार करते हुए डॉ समरजीत सिंह राठौड़ ने निजी विद्यालय की विभिन्न समस्याओ की आवाज विधानसभा में उठाने की बात कही।

- **इनकी रही उपस्थिति -**

इस अवसर पर दिगम्बर सिंह जोधा, नरपतराज परमार, गजेंद्र सिंह राव, राजा शर्मा, पारसाराम देवासी, सोहनलाल बंजारा, विष्णुदत्त व्यास, मोहनलाल परमार, दिनेश कुमार परमार, नरपतकुमार बोस, इस्तियाक खान, विवेकानन्द बिस्सा, जेठाराम आचार्य, विक्रम कुमार, जबार खान कादरी, जबराराम सेन, पीथाराम रोहिण सहित कई स्कुल संचालक बंधु उपस्थित रहे।

- **इनका कहना -**

गैर सरकारी विद्यालयों की विभिन्न मांगो ओर समस्याओ को लेकर प्रदेशभर में ज्ञापन दिए जा रहे है, सरकार हमारी मांगो का निस्तारण जल्द करें अन्यथा आगामी 21 अगस्त से राजस्थान विधानसभा का घेराव किया जायेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

टीकमाराम भाटी
ब्लॉक अध्यक्ष- स्कुल शिक्षा परिवार भीनमाल

गैर सरकारी विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं ओर मांगो को लेकर भीनमाल विधायक को सौपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

भीनमाल । स्कूल शिक्षा परिवार के संभाग प्रभारी ललित शर्मा एवं भीनमाल ब्लॉक अध्यक्ष टीकमाराम भाटी के नेतृत्व में गैर सरकारी विद्यालय की विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम भीनमाल विधायक डॉ समरजीत सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपकर समाधान की अपील की।

ज्ञापन के माध्यम से निजी विद्यालय संचालकों ने आए दिन होने वाली अनर्गल जांचों पर तुरंत रोक लगाने, आरटीई के तहत बकाया पुनर्भरण राशि का समय पर भुगतान डीबीटी के जरिये करने ओर कार्य में जानबूझकर देरी करने वाले लापरवाही अधिकारीयों पर कार्यवाही करने, मेरिट स्कॉलरशिप मामले में सरकारी ओर गैर सरकारी विद्यालय में भेदभाव बंद करने तथा गैर सरकारी स्कूलों के कर्मचारियों के लिए कैशलेश बीमा एवं एक्सीडेंट बिना योजना लागु करने की मांगो को लेकर विधायक महोदय का ध्यान आकर्षित किया।

ज्ञापन स्वीकार करते हुए डॉ समरजीत सिंह राठौड़ ने निजी विद्यालय की विभिन्न समस्याओ की आवाज विधानसभा में उठाने की बात कही।

● **इनकी रही उपस्थिति -**

इस अवसर पर दिगम्बर सिंह जोधा, नरपतराज परमार, गजेंद्र सिंह राव, राजा शर्मा, पारसाराम देवासी, सोहनलाल बंजारा, विष्णुदत्त व्यास, सांवलाराम चौधरी अरणाय मोहनलाल परमार, दिनेश कुमार परमार, नरपतकुमार बोस, इस्तियाक खान, विवेकानन्द बिस्सा, जेठाराम आचार्य, विक्रम कुमार, जबार खान कादरी, जबराराम सेन, पीथाराम रोहिण सहित कई स्कुल संचालक बंधु उपस्थित रहे।

● **इनका कहना -**

गैर सरकारी विद्यालयों की विभिन्न मांगो ओर समस्याओ को लेकर प्रदेशभर में ज्ञापन दिए जा रहे है, सरकार हमारी मांगो का निस्तारण जल्द करें अन्यथा आगामी 21 अगस्त से राजस्थान विधानसभा का घेराव किया जायेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

ई-बसों के व्यवस्थित संचालन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर कर रहे विकसित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर को दी 16 पीएम ई-बसों की सौगात

आमजन को सुगम-किफायती सफर करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पीएम ई-बस सेवा के तहत जयपुर को 16 ई-बसें समर्पित की। उन्होंने शासन सचिवालय में ई-बसों की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा अवलोकन कर हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विजन और क्लीन मोबिलिटी के तहत ये इलेक्ट्रिक बसें शुरू की गई हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बिना धुएं और आवाज के चलने वाली ये बसें आने वाली पीढ़ियों को बेहतर पर्यावरण देने के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 8 शहरों में 110 पीएम-ई बसें पहुंच चुकी हैं। पीएम-ई बस सेवा के प्रथम चरण में 8 प्रमुख शहरों जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर तथा अजमेर के लिए 675 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत की गई हैं। वहीं, राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से प्रदेश के लिए अतिरिक्त 475 ई-बसें स्वीकृत की गई। इस तरह राजस्थान के लिए कुल 1 हजार 150 पीएम ई-बसों की मंजूरी मिली है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसी कड़ी में ई-बसों के व्यवस्थित संचालन के लिए बस स्टैण्ड, चार्जिंग प्वाइंट सहित विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया जा रहा है।

सभी क्षेत्रों तक सुगम परिवहन सेवा होगी सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक वर्ग को सुगम और किफायती सफर करवाने सहित सभी वादों को पूरा कर रही है। इसी दिशा में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक परिवहन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पिछले दिनों 144 नई रोडवेज बस शुरू की गई। वहीं, जल्द ही रोडवेज के बेड़े में एक हजार बसों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सकारात्मक प्रबंधन के चलते हम रोडवेज को घाटे से उबारकर फायदे में लाए हैं और रोडवेज कर्मचारियों को समय पर वेतन देना सुनिश्चित किया है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

साकची अग्रसेन भवन में 25 अगस्त को मनेगा जीण माता का सिंघारा व झूलन उत्सव

जमशेदपुर।

शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्री जीण माता परिवार, जमशेदपुर द्वारा साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन में आगामी 25 अगस्त मंगलवार को जीण माता का सिंघारा एवं झूलन उत्सव बड़े ही धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण माता का भव्य श्रृंगार, जन्मोत्सव, झूलन उत्सव, भजनों पर नृत्य, भजनों की अंताक्षरी, खेल, भजनों का तंबोला और 56 भोग प्रसाद रहेगा। कोलकाता से आ रहे प्रसिद्ध भजन गायक नीरज अग्रवाल और स्थानीय कलाकार मोनू शर्मा अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से माता का गुणगान करेंगे। यह जानकारी संस्था के संस्थापक शंभु खन्ना और अध्यक्ष तुलसी खेमका ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे से आयोजित होने वाले इस धार्मिक व सांस्कृतिक महोत्सव में मुख्य रूप से महिलाओं के लिए झूला और मेहंदी की विशेष व्यवस्था की गई है। मेहंदी लगाने के लिए कूपन शंभू खन्ना के यहाँ उपलब्ध हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस को बांटो, दोहरे मापदंड पर राहुल को घेरो... बीजेपी की नई रणनीति डीकोड

नयी दिल्ली।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को घेरने के लिए बीजेपी ने नई रणनीति बनाई है. मंगलवार को एनडीए सांसदों की साप्ताहिक बैठक मंगल मिलन संपन्न हो गई. बैठक समाप्त होते ही एनडीए सांसदों ने विपक्ष खासतौर से राहुल गांधी को खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया. एनडीए ने कहा सरकार चर्चा को तैयार है, गृह मंत्री हर मुद्दे पर जवाब देने को तैयार हैं फिर राहुल चर्चा से क्यों भाग रहे हैं. बीजेपी ने झारखंड में छात्रों पर कार्रवाई का विरोध भी किया. पार्टी ने विपक्ष के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए. तर्क दिया गया कि जंतर मंतर पर पुलिस कार्रवाई पर हंगामा करने वाला विपक्ष रांची की घटना पर चुप क्यों है. मंगलवार को मकर द्वार पर भी विपक्ष और एनडीए के सांसद आमने-सामने आ गए. एनडीए का कहना रहा कि कांग्रेस झारखंड में सरकार में शामिल है, ऐसे में राहुल को बताना चाहिए कि छात्रों पर लाठीचार्ज क्यों हुआ. केंद्र सरकार ने यह जानकारी भी दी है कि वो चढ़ावा चोरी मुद्दे पर भी चर्चा के लिए तैयार है. सरकार ने शर्त रखी है कि पहले विपक्ष जंतर मंतर पर कार्रवाई के मुद्दे पर चर्चा करे और गृह

मंत्री को सुने. वैसे इस समय बीजेपी कांग्रेस को अलग-थलग करने की कोशिश में भी लगी हुई है. पार्टी के मुताबिक एफसीआरए बिल के मुद्दे पर विपक्ष बंट गया है. कांग्रेस इसे वापस लेने की मांग कर रही है वही कुछ अन्य विपक्षी दल इसे जेपीसी को भेजने की मांग कर रहे हैं. बीजेपी की राहुल को घेरने की यह रणनीति तब सामने आई है जब सोमवार को नेता प्रतिपक्ष ने रांची विरोध प्रदर्शन पर खुलकर अपने विचार रखे. उन्होंने कहा था कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग करना गलत है. छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है. झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए. सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भी राहुल गांधी ने यही मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्रों के लिए मेरा संदेश साफ है कि हम शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ किसी भी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं. इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि यह कहाँ हो रहा है, हम इसकी निंदा करते हैं, हम इसके ख़िलाफ़ हैं, हम इसकी सलाह नहीं देते और न ही इसका समर्थन करते हैं... जब तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है, तब तक उस प्रदर्शन पर हिंसात्मक कार्रवाई करना, हम इसके खिलाफ हैं।'

न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र से वाराणसी आए बीमार पिता की मौत, सदमें में आकर मां-बेटे ने भी खुदकुशी

वाराणसी। वाराणसी के लक्सा थाना अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आ आई है. महाराष्ट्र से काशी पहुंचे एक परिवार ने आत्मघाती कदम उठाते हुए अपने जीवन लीला को ही समाप्त कर दिया. इस खौफनाक कदम उठाने के पीछे जो वजह बताई जा रही है वह भी हैरान करने वाली है. दरअसल बीमार पिता के मौत की वजह से मां और बेटे दोनों इतने सदमे में आ गए कि उन्होंने खुद के जीवन को भी खत्म करने जैसा खौफनाक कदम उठा लिया. मिली जानकारी के अनुसार, वाराणसी के लक्सा थाना अंतर्गत एक होमस्टे में मां बेटे का शव बरामद हुआ. उनके मुंह से झाग निकल रहा था. मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी हासिल की तो महाराष्ट्र के रायगढ़ की रहने वाली 51 वर्षीय जया मुखर्जी और 27 वर्षीय बेटे ईशान मुखर्जी ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी. बताया गया कि परिवार काशी में दर्शन पूजन के लिए आया था लेकिन इसके पीछे जो वजह सामने आ रही है, वह बेहद चौंकाने वाली है. दरअसल, बताया गया कि 27 वर्षीय बेटे ईशान मुखर्जी के पिता विशाल मुखर्जी एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और वाराणसी में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद अस्पताल में उनकी मौत हो गई. पिता की मौत के बाद ईशान मुखर्जी और उनकी 51 वर्षीय मां जया यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाईं, जिसके बाद पत्न ी और बेटे ने आत्मघाती कदम उठाते हुए अपने जीवन को ही समाप्त कर लिया. वाराणसी के लक्सा थाना अंतर्गत एक होमस्टे में मां-बेटे के खुदकुशी किए जाने के मामले की सूचना पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना के बाद निकटतम थाने की फोर्स के साथ एडीसीपी और एसीपी मौके पर पहुंचे. उन्हें घटनास्थल पर सल्फास की खाली पैकेट मिले. पुलिस द्वारा दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

झारखंड के आंदोलनकारी छात्रों के हाथ में शिबू सोरेन की तस्वीर क्यों

रांची। रांची में हजारों छात्र तिरंगा और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन की तस्वीर लेकर झारखंड विधानसभा की तरफ बढ़े. यह एक खास संकेत था. प्रदर्शनकारी सिर्फ एक अनुभवी नेता को याद नहीं कर रहे थे बल्कि गुरु जी की तस्वीर का इस्तेमाल करके वे उनके ऐतिहासिक योगदान के प्रति सम्मान और उनके बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदा सरकार की आलोचना के बीच फर्क भी दिखा रहे थे. ये विरोध प्रदर्शन भर्ती परीक्षा, खासकर जेएसएससी - सीजीएल प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी से जुड़ी चिंताओं से जुड़े हैं. विरोध कर रहे छात्रों के लिए शिबू सोरेन की तस्वीर मौजूदा जेएमएम सरकार के बिना शर्त समर्थन के बजाय झारखंड आंदोलन से जुड़े आदर्शों का प्रतीक है. उनका संदेश मूल रूप से यह है कि वह सोरेन के संघर्ष और विरासत का सम्मान करते हैं और मौजूदा प्रशासन के कामकाज में कथित कमियों का विरोध करते हैं. इस वजह से उनकी तस्वीर का इस्तेमाल विरोध प्रदर्शन को एक मजबूत राजनीतिक आयाम देता है. आंदोलन की पूरी राजनीतिक विरासत को नकारने के बजाय प्रदर्शनकारी खुद को ऐसे लोगों के तौर पर पेश कर रहे हैं जो गुरुजी से जुड़े सिद्धांतों को बनाए रखने की मांग कर रहे हैं. शिबू सोरेन आमतौर पर गुरुजी या फिर दिशोम गुरु के नाम से मशहूर हैं. झारखंड राज्य आंदोलन के वे सबसे बड़े नेताओं में से एक के रूप में उभरे. उनकी राजनीति आदिवासी और मूल निवासी समुदाय के अधिकारों और जल जंगल जमीन के नारे से गहराई से जुड़ी हुई थी. उनके राजनीतिक यात्रा झारखंड के अलग राज्य बनने से कई दशक पहले शुरू हुई. 1960 और 1970 के दशक के दौरान उन्होंने साहूकारों के खिलाफ आदिवासी समुदायों को एकजुट किया. इन साहूकारों पर ग्रामीणों का शोषण करने, जमीर पर कब्जा करने और परिवारों को कर्ज और बंधुआ मजदूरी के जाल में फंसाने का आरोप था।

आईपीएल स्टार अभिषेक पोरेल बलात्कार के आरोपों में गिरफ्तार

● **प्राइवेट मोमेंट रिकॉर्ड किए, शादी का दिया झांसा**

हुगली। इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को हुगली जिले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर शादी का वादा करके एक महिला के साथ कथित तौर पर यौन संबंध बनाने का आरोप है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हुगली (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक कुनार भूषण सिंह ने बताया, 'उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उन्हें गिरफ्तार करने का अदालत का आदेश था। उन्हें कल देर रात गिरफ्तार किया गया। उन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा।' पोरेल को मोगरा पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार किया और उन्हें मंगलवार को बाद में चिनसुरा की एक कोर्ट में पेश किया जा सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने क्रिकेटर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है जिसमें धारा 69 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधान भी शामिल है।

● **23 जून को हुई थी शिकायत**

कर्नाटक की एक मेडिकल छात्रा ने 23 जून को मोगरा पुलिस स्टेशन में पोरेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि वे लगभग साढ़े तीन साल से रिलेशनशिप में थे और शादी करने की योजना बना रहे थे। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस टीमें चंदननगर में पोरेल के घर कई बार गईं लेकिन वह वहां नहीं मिले। पोरेल और उनके परिवार की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

सीरिया के 24 साल तानाशाह रहे बशर अल असद को मौत की सजा, फिलहाल देश छोड़कर भागे हैं

दमिश्क। सीरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व शासक बशर अल-असद को मौत की सजा सुना दी है. इस अदालत ने गृह युद्ध के दौरान युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए बशर अल-असद को उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई. बशर अल-असद ने 24 सालों तक सीरिया पर शासन किया था. लेकिन दिसंबर 2024 में इस्लामी ताकतों के दमिश्क के करीब पहुंचने के बाद बशर अल-असद अपने परिवार के साथ रूस भाग गए थे और तब से वहीं हैं. 13 सालों के गृह युद्ध में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे और लाखों लोग विस्थापित हुए. सीरिया का बुनियादी ढांचा बर्बाद हो चुका है. अदालत ने पाया कि 2011 में डेरा प्रांत में असद की सरकार द्वारा किए गए अपराध मानवता के खिलाफ अपराध की श्रेणी में आते हैं. सीरियाई सेना के पूर्व लीडर और बशर के छोटे भाई माहेर अल-असद को भी मौत की सजा सुनाई गई है. इसके साथ ही अदालत ने बशर अल-असद के चचेरा भाई आतेफ नजीब को भी मौत की सजा दी है. आतेफ नजीब सीरियाई सेना के एक पूर्व ब्रिगेडियर जनरल हैं. 2011 में असद के शासन में नजीब दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में पॉलिटिकल सिक्योरिटी ब्रांच के प्रमुख थे. 50 से ज्यादा सालों तक सीरिया पर हाफेज अल-असद और फिर उनके बेटे बशर अल-असद का शासन रहा. 'अरब स्प्रिंग' के दौरान, 2011 में 2.3 करोड़ की आबादी वाले इस देश में उनके दमनकारी शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू हो गया. इससे 13 साल तक चला एक भयानक गृहयुद्ध छिड़ गया, जिसमें 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी ऑफ 'मन राइट्स' के अनुसार, पांच लाख से ज्यादा लोग मारे गए. लाखों लोग देश छोड़कर लेबनान, जॉर्डन, तुर्की और यूरोप चले गए. असद परिवार ने सत्ता में बने रहने के लिए धार्मिक और सांप्रदायिक तनावों का फायदा उठाया. यह वही विरासत है जिसके कारण सीरिया में अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ हिंसा फिर से भड़क रही है, जबकि यह वादा किया गया था कि देश के नए नेता सीरिया के लिए ऐसा राजनीतिक भविष्य बनाएंगे जिसमें सभी समुदायों को शामिल किया जाएगा और उनका प्रतिनिधित्व होगा।

चटनी डॉन से पूछताछ कर ब्राउन शुगर सप्लाई नेटवर्क को खंगालेगी पुलिस

जमशेदपुर। घाघीडीह जेल में बंद चटनी डॉन को ब्राउन शुगर तस्करी मामले में आजादनगर पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस रिमांड पर लेकर उससे ब्राउन शुगर की सप्लाई और बिक्री से जुड़े नेटवर्क के बारे में पूछताछ करना चाहती है, मामले की जांच जारी है। आजादनगर पुलिस ने विगत शनिवार को पारडीह इलाके से जुगसलाई निवासी सौरभ ओहरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, उसके पास से ब्राउन शुगर की 38 पुड़िया बरामद हुईं। पूछताछ के दौरान सौरभ ने पुलिस को बताया कि उसे ब्राउन शुगर चटनी डॉन के पति पवन यादव ने उपलब्ध कराया था। पुलिस के मुताबिक, पवन यादव जेल में बंद चटनी डॉन के लिए ब्राउन शुगर की बिक्री करता था। सौरभ के बयान के आधार पर पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है. जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ब्राउन शुगर कहां से लाई जाती थी, किन इलाकों में इसकी सप्लाई की जाती थी और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस चटनी डॉन को रिमांड पर लेने के लिए न्यायालय में आवेदन देने की तैयारी कर रही है. रिमांड मिलने के बाद उससे पूछताछ के जरिए ब्राउन शुगर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के नाम और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सौरभ से मिली जानकारी के आधार पर तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

जंतर मंतर प्रोटेस्ट में लाठीचार्ज पर जवाब देंगे अमित शाह, संसद में चर्चा के लिए सरकार तैयार

नयी दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सरकार संसद में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने इस पर सहमति जताई है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में उपस्थित होकर दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाब देंगे और स्थिति स्पष्ट करेंगे। हालांकि, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष को सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामा नहीं करना चाहिए। रिजिजू ने कहा कि सरकार का प्रस्ताव बिल्कुल साफ है कि वह छात्रों के आंदोलन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर पूरी और विस्तृत चर्चा करने के लिए तैयार है। कांग्रेस समेत विपक्ष से मेरी बस यही बात है कि जब चर्चा और जवाब हो रहा हो, तो विपक्ष को गृह मंत्री का बयान रोकने के लिए हंगामा नहीं करना चाहिए। उन्हें गृह मंत्री और सरकार का जवाब सुनना चाहिए

राहुल गांधी ने ठुकराया संसद में चर्चा की मांग

राहुल गांधी ने संसद में हिंसा पर चर्चा की मांग को ठुकरा दिया है। अमित शाह 20 दिनों से संसद में इसका जवाब देने नहीं आए हैं। उन्हें इस हिंसा की मंजूरी बाते हुए, उन्हें दोषी या असक्षम कहा और सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि लगभग 20 दिन बीत चुके हैं और अमित शाह इस मामले पर जवाब देने के लिए संसद नहीं आए हैं। चर्चा के लिए विपक्ष के हर प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। उनकी चुप्पी कोई चूक नहीं है। यह हिंसा को मंजूरी देने जैसा है। वे या तो दोषी हैं या फिर अक्षम। हम सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग करते हैं। और जब तक उन्हें जवाबदेह नहीं ठहराया जाता, हम लड़ना बंद नहीं करेंगे।

अमित शाह के कार्यक्रम में कलेक्टर वंदना गर्ग ने लगाई दौड़

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु-पुडुचेरी दौरे के दौरान तिरुवन्नामलाई के प्रसिद्ध अन्नामलाईयार मंदिर का दौरा कर विशेष पूजा-अर्चना की. अमित शाह के तिरुवन्नामलाई पहुंचने पर कलेक्टर वंदना गर्ग ने उनका स्वागत किया था. मंदिर के बाद शाह ने गिरिवलम पथ पर स्थित रमण महर्षि आश्रम का दौरा किया था. गृह मंत्री के दौरे के दौरान शहर में लगभग 1,500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए. इसी दौरान कलेक्टर वंदना गर्ग का दौड़ लगाते एक वीडियो भी दिखा. तिरुवन्नामलाई की कलेक्टर वंदना गर्ग ने किताब देकर गृह मंत्री का स्वागत किया और जब अन्नामलाईयार मंदिर में गृह मंत्री दर्शन के लिए पहुंचे तो मंदिर परिसर में वंदना गर्ग पीछे रह गई थीं. इसी कारण कलेक्टर वंदना गर्ग ने दौड़ लगाई और उनका ये वीडियो खूब वायरल भी हुआ. बता दें कि वंदना गर्ग 29 मई 2026 से तिरुवन्नामलाई की कलेक्टर हैं और वो पहली बार कलेक्टर बनी हैं. इससे पहले वो एडिशनल कलेक्टर और प्रोजेक्ट ऑफिसर के साथ-साथ एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के पदों पर रह चुकी हैं. वंदना गर्ग तमिलनाडु की उन महिला कलेक्टर में शामिल हैं, जिन्हें सीएम विजय ने खासतौर पर प्रशासनिक फेरबदल कर कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी है।

एफसीआरए और परिसीमन बिलों पर सस्पेंस, विपक्ष के साथ 'गिव एंड टेक' वाली डील करेगी सरकार; क्या प्लान

नयी दिल्ली।

संसद के मॉनसून सत्र के अब केवल तीन दिन बचे हैं. 20 जुलाई को शुरू हुए सत्र के 16 दिनों में ज़बरदस्त हंगामा हुआ है. सरकार ने हंगामे के बीच ही कुछ बिल पारित करा लिए हैं, लेकिन विवादास्पद एफसीआरए और परिसीमन बिलों को लेकर तस्वीर अब भी साफ नहीं है. आज बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी की बैठक में सरकार ने विपक्ष की उस मांग को मान लिया, जिसमें 20 जुलाई को संसद भवन की ओर मार्च कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर चर्चा और गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की मांग की थी. सरकार ने कहा कि शाह हर बात का जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को सुनना पड़ेगा. इसके बाद विपक्ष में एक राय नहीं दिखा. समाजवादी पार्टी ने कहा कि वह राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के मामले पर भी चर्चा चाहती है और पीएम मोदी इसका जवाब दें. इस बीच सरकार ने बीएसी की बैठक में एफसीआरए संशोधन बिल और परिसीमन संविधान संशोधन बिल को लेकर कोई संकेत नहीं दिया. हालांकि इस बिल पर गतिरोध सुलझाने के लिए स्पीकर ने पहल की है. कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के मुताबिक स्पीकर ने कहा कि इस बिल को जेपीसी को भेजा जा सकता है. इससे पहले प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई कांग्रेस सांसदों ने स्पीकर से मुलाकात भी की थी. हालांकि वेणुगोपाल ने इस बिल को जेपीसी को भेजने के प्रस्ताव को नकार दिया. उन्होंने कहा कि सरकार को यह बिल वापस लेना ही होगा. इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह भी स्पीकर से मिले. इस बीच सरकारी सूत्रों ने कहा कि बचे तीन दिनों में एफसीआरए और परिसीमन बिल लाने का विकल्प खुला है. सरकार इस मुद्दे पर डीएमके और कांग्रेस जैसे दलों के साथ 'गिव एंड टेक' के लिए भी तैयार है।

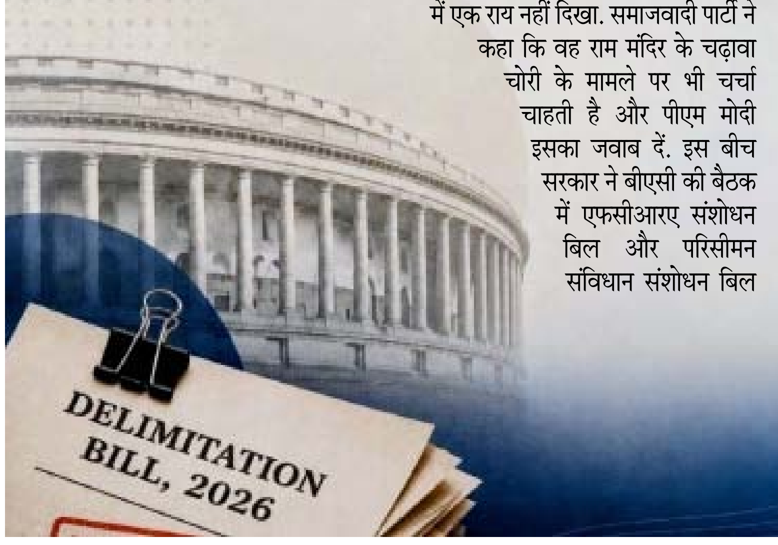

राहुल और अखिलेश अंकल...

- बुआ के एक भतीजे ने दूसरे भतीजे को 'अंकल' क्यों कहा?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के नेशनल कोऑर्डिनेटर और मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने बीजेपी, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में एक साथ हमला किया है. आकाश आनंद ने एक तरफ जहां बीजेपी, सपा और कांग्रेस तीनों पर चौतरफा हमला बोला, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को 'राहुल अंकल' और 'सम्मानित अखिलेश अंकल' कहकर संबोधित किया. आकाश आनंद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी की नीतियां कई मामलों में बीजेपी जैसी ही हैं. उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी के बीच नीतिगत समानता को लेकर सवाल खड़े किए और विपक्षी दलों की राजनीति पर कटाक्ष किया. अखिलेश यादव की उम्र का जिक्र करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि उनकी उम्र करीब 30 साल है, जबकि अखिलेश यादव 50 साल के हैं. ऐसे में उन्हें 'अंकल' कहना स्वाभाविक है. इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के संबोधन के लिए भी अंकल शब्द का इस्तेमाल किया. इस संबोधन के जरिए आकाश आनंद युवाओं को यह संदेश देना चाहते हैं कि विपक्षी पार्टियों के जो नेता खुद को युवा चेहरा बताकर राजनीति कर रहे हैं, वे असल में उम्र के उस पड़ाव पर हैं जहां नई पीढ़ी उन्हें 'अंकल' मानती है।

शरद पवार की एनसीपी इन चार लोगों के लिए चाहती है भारत रत्न, पीएम मोदी से की मुलाकात

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोमवार को शरद पवार गुट की एनसीपी के आठ सांसदों ने मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान वैसे तो महाराष्ट्र से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की गई, लेकिन इसके साथ-साथ महाराष्ट्र की चार बड़ी हस्तियों के लिए भारत रत्न की मांग भी की गई. बताया जा रहा है कि सांसदों ने महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, संत तुकाराम महाराज और अण्णा भाऊ साठे के लिए भारत रत्न की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखी. ये चारों ही महाराष्ट्र के सामाजिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक इतिहास के बड़े नाम हैं. जानकारी के लिए बता दें कि ज्योतिबा राव फुले और सावित्रीबाई फुले सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई और महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में बड़े कदम उठाने के लिए जानी जाती हैं. वहीं, संत तुकाराम महाराज महाराष्ट्र की संत परंपरा से जुड़ी बड़ी शख्सियत हैं. उनके विचारों का महाराष्ट्र के सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है. अण्णा भाऊ साठे का भी महाराष्ट्र के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है. भारत रत्न की मांग के अलावा स्थानीय मुद्दों को भी सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उठाया. इस समय राज्य में कई जगहों पर भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. इसके अलावा मराठवाड़ा क्षेत्र में सूखे की स्थिति है. बैठक में इन मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

विकास कार्यों के माध्यम से किशनगढ़ के हर वर्ग का उत्थान और जन-आकांक्षाओं को पूरा करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताः विधायक डॉ. विकास चौधरी

हरियाली अमावस्या की पूर्व संध्या पर सेन समाज को बड़ा तोहफा, नारायणी माता मंदिर प्रांगण में 10 लाख की लागत से निर्मित नवनिर्मित तिबारे का लोकार्पण, सेन समाज व आमजन ने जताया विधायक विकास चौधरी का आभार

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर/किशनगढ़। सेशन कोर्ट के पास स्थित नारायणी माता मंदिर प्रांगण में मंगलवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से स्वीकृत 10 लाख की लागत से निर्मित भव्य खुले तिबारे का फीता काटकर एवं पट्टिका का अनावरण कर विधिवत लोकार्पण किया और इसे आमजन को समर्पित किया।

समारोह में उपस्थित सेन समाज बंधुओं, मातृशक्ति एवं आमजन को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. विकास चौधरी ने कहा, रकिशनगढ़ के सर्वांगीण विकास, बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और समाज के हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं निरंतर संकल्पबद्ध हूँ। सार्वजनिक व सामाजिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में आमजन को सुगमता मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान समस्त किशनगढ़ सेन समाज एवं नारायणी माता मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा विधायक डॉ. विकास चौधरी का साफा पहनाकर, माला अर्पण कर व स्मृति चिह्न भेंटकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

समाज के प्रबुद्धजनों ने विधायक कोष से स्वीकृत इस विकास कार्य के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चल रही इस मांग के पूरे होने से मंदिर आने वाले श्रद्धालु व सामाजिक आयोजनों में भाग लेने वाले नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, नेता प्रतिपक्ष हमीदा बानो, नगर अध्यक्ष आजम कुरैशी, राधेश्याम वैष्णव, महिला अध्यक्ष माया मैडम, पार्षद महेंद्र यादव, पार्षद प्रतिनिधि गोवर्धन मेघवंशी, रंजीत चौधरी, कानाराम चोटिया, दीपक बिडला, डॉ वसीम, नासिर हुसैन, ट्रस्ट के अध्यक्ष चंद्रशेखर सेन, महेंद्र सेन, प्राणेश सेन, सत्यनारायण सेन, वीर बहादु-र, कन्हैया लाल सेन, द्वारका प्रसाद सेन, सत्यनारायण सेन,अमरचंद सेन,कैलाश, महावीर, हेमंत सेन सहित मंदिर समिति के प्रतिनिधि, सेन समाज के गणमान्य नागरिक, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

श्रावण मास के चलते राजमहल स्थित माँ बायण माँ मंदिर में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

चमकता राजस्थान/धरियावद। धर्म नगरी श्रवण मास के पावन अवसर पर धरियावद राजमहल स्थित माँ बायण माँ के मंदिर में दुनिया के जज देवो दी देव एकलिंग बाबा भोले सपरिवार विराज मान जहाँ सतत मध रुद्धा अभिषेक पूजा मे दूसरे सोमवार कि पर्दोष के दिन शस्त्रधारा का महा अभिषेक करवाया गया जहाँ धार्मिक आस्था और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। राजपरिवार की धार्मिक परंपरा के अनुरूप ठा. भानु प्रताप सिंह राणावत एवं ठुकुरानी सां मिना कुमारी बाईसा चंद्रिका ठा. पुखराज सिंह उ×र्फ बिल्लू बना बावड़ी वाले ठुकराइन सा. कल्पना सहित सपरिवार भगवान शिवजी का विधि-विधान से अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की

इस दौरान भगवान भोलेनाथ का जल एवं पंचामृत से अभिषेक कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं सर्वजन के मंगल की कामना की गई। सावन के पावन माह में मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

राजपरिवार द्वारा धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए भगवान शिव की आराधना करना क्षेत्र की आस्था एवं संस्कृति से जुड़ी परंपराओं को दर्शाता है।वही आर वि वि एस के नन्हें मुन्हे बच्ची बच्चे ने भी शिवजी को जल चढ़ाया गया उक्त पूजा अर्चना पंडित ओम प्रकाश श्रीमाली सहयोग काना वैष्णव ओर विमल वैष्णव ने मंत्रो उपचार से महा अभिषेक शिवजी का करवाया गया वही अन्त मे प्रसाद वितरण कि गईं जहाँ नगरवासी सेकड़ो कि तादाद मे उपस्थित रह कर भगवान शिव के दर्शन किये इस अवसर पर पत्रकार अबतक बंटी भाई कोठारी भी मोके पर उपस्थित रहे

नागौर सांसद ने लोक सभा में उठाया सीमावर्ती क्षेत्रों में धर्मस्थलों को तोड़ने का मामला

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। मंगलवार को लोक सभा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने नियम 377 के तहत राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेषकर,बाड़मेर संसदीय क्षेत्र में धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने के प्रकरणों को उठाया,

सांसद बेनीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बाड़मेर जिले सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में बिना किसी संवाद व सहमति के मुस्लिम समाज के धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंचाई गई ,आवासीय परिसर तोड़े गए,सांसद ने कहा कि राष्ट्र सुरक्षा हमारे लिए प्रथम है और उसे हम प्राथमिकता देते है ,उन्होंने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने और धार्मिक स्थलों के सम्मान का अधिकार देता है। यदि किसी धार्मिक स्थल को लेकर कोई कानूनी विवाद, प्रशासनिक आवश्यकता या सुरक्षा संबंधी विषय हो, तो उसका समाधान केवल कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही होना चाहिए मगर राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बिना पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया और संवाद के धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने से स्थानीय लोगों की भावनाएँ आहत हुई हैं । उन्होंने विगत दिनों में बाड़मेर जिले के कई स्थानों पर हुई ऐसी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों में शासन - प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है,उन्होंने विगत दिनों राजस्थान के बाड़मेर जिले में जामा मस्जिद सियाई, जामा मस्जिद मेकन का पार, जामा मस्जिद केरकोरी, जामा मस्जिद रामपुरा (दहेवा), दरगाह सयद गुल मोहम्मद शाह ,भलगाव बाखासर सहित अन्य स्थानों की मस्जिदों को जबरन तोड़े जाने के मामलों का भी उल्लेख किया सांसद ने कहा कि भविष्य में किसी भी धर्मस्थल से जुड़े मामलों में विधिसम्मत प्रक्रिया, पारदर्शिता और संवेदनशीलता का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा जहां - जहां ऐसे स्थलों को तोड़ा गया वहां केंद्र की टीम को भेजकर धर्मस्थलों का मान - सम्मान बरकरार रखा जाना चाहिए,सांसद ने कहा कि हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और मैं किसी के साथ भी अन्याय होगा तो उस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाता रहूंगा।

दिवा स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं को परेशानी; सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मनसे की मांग

सप्ताह में केवल एक दिन ओपीडी से बढ़ती है भीड़; इंतजार के दौरान बैठने की व्यवस्था नहीं होने का आरोप

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/दिवा। दिवा शहर के ठाणे महानगरपालिका स्वास्थ्य केंद्र में जांच और उपचार के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं को विभिन्न असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यह आरोप महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की महिला आघाड़ी ने लगाया है। महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मांग मनसे की ओर से की गई है।

मनसे की महिला शहर अध्यक्ष अंकिता सुशांत घाग के नेतृत्व में स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में सुबह 9.30 बजे टोकन दिए जाते हैं, जबकि वास्तविक जांच के लिए महिलाओं को करीब 10.30 बजे अंदर लिया जाता है। इसके कारण प्रतीक्षा के दौरान कई गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खड़े रहना पड़ता है।

मनसे के अनुसार, दिवा शहर की आबादी बड़ी है और गर्भवती महिलाओं की संख्या भी काफी है। इसके बावजूद गर्भवती महिलाओं के लिए सप्ताह में केवल एक दिन ओपीडी उपलब्ध होने के कारण उस दिन बड़ी भीड़ जमा हो जाती है। इससे महिलाओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है।

मनसे की प्रमुख मांगें

स्वास्थ्य केंद्र के बाहर गर्भवती महिलाओं के लिए टेबल, कुर्सियां या बेंच की व्यवस्था की जाए।
गर्भवती महिलाओं की ओपीडी सप्ताह में कम से कम तीन दिन शुरू की जाए।
गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर जांच और उपचार उपलब्ध कराया जाए।
महिलाओं को अनावश्यक रूप से लंबे समय तक खड़ा न रखा जाए।
गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं।

''यह बेहद संवेदनशील विषय है। प्रशासन को हमारी मांगों पर तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। अन्यथा गर्भवती महिलाओं के अधिकारों के लिए महिला आघाड़ी के माध्यम से आंदोलन किया जाएगा,'' ऐसा चेतावनी मनसे की महिला शहर अध्यक्ष अंकिता सुशांत घाग ने दी।

इस अवसर पर महिला उपशहर अध्यक्ष नम्रता खराडे, उपशाखा अध्यक्ष उपासना पवार, शाखाध्यक्ष धनेश पाटील, शशिकांत खसासे तथा गट अध्यक्ष संजय चव्हाण उपस्थित थे।

विशाल तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान

चौथ का बरवाड़ा। विशाल तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन महात्मा गांधी सर्किल से उपखंड अधिकारी चंद्र प्रकाश वर्मा सहित शिक्षक संगठन विद्यार्थियों सहित महिलाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया।भाजपा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी शिक्षक संघ अध्यक्ष श्रवण कुमार व्याख्याता वीरेंद्र सिंह कच्छावा आदि ने बताया कि 9 अगस्त से पूरे भारत में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।जिसकी शुरुआत आज चौथ माता की नगरी से की गई।सैकड़ों की संख्या में पधारे विद्यार्थी महिलाओं सहित गणमान्य लोगों ने भारत माता जय हिन्द जय जवान के नारे लगाते हुए रैली निकाली

हाईवे 911 पर बड़ा हादसा टला, पराली से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉला सड़क किनारे उतरा

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। नेशनल हाईवे 911 पर सोमवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार पराली से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉला तेज गति और कथित लापरवाही के चलते सड़क किनारे उतर गया। गनीमत रही कि उस समय ट्रैक्टर-ट्रॉले के सामने कोई अन्य वाहन नहीं आ रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात्रि के समय हाईवे पर तेज रफ्तार से चलने वाले भारी वाहनों पर पर्याप्त निगरानी नहीं होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। घटना के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या सुरक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं दी, जिससे लोगों में नाराजगी है।

नागरिकों ने आरोप लगाया कि हाईवे पर ऐसे हादसों के बावजूद प्रशासन मौन बना हुआ है और ऐसा प्रतीत होता है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। लोगों ने मांग की है कि नेशनल हाईवे 911 पर रात्रि गश्त बढ़ाई जाए, तेज गति से चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए और दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाएं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों पर होगी।

गंगापुर में स्वर्गीय रामपाल उपाध्याय को दी भावभीनी श्रद्धांजलि,

- समाज सेवा व जनकल्याण का लिया संकल्प
- समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर कांग्रेसजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने किया स्मरण

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। स्वर्गीय रामपाल उपाध्याय स्मृति संस्थान के तत्वावधान में गंगापुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय स्थित स्वर्गीय रामपाल जी उपाध्याय के समाधि व प्रेरणा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं स्मृति सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले एवं राज्य भर से पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, अभाव-अभियोग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों तथा संस्थान के सदस्यों ने स्व. उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी (अभाव-अभियोग प्रकोष्ठ) के अध्यक्ष सुरेश चंद्र पारीक, भगवानपुरा से राधेश्याम शर्मा, शंकर जाट, मंडल से सत्यनारायण मंडोवर सहित अभाव-अभियोग प्रकोष्ठ एवं स्वर्गीय रामपाल उपाध्याय स्मृति संस्थान के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

धरियावद में CCTV कैमरे बंद, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल!

- जगह-जगह लगे कैमरे सिर्फ शोपीस बने, घटना होने पर फुटेज मिलना मुश्किल

चमकता राजस्थान/धरियावद। नगर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रमुख स्थानों पर लगाए गए CCTV कैमरे लंबे समय से बंद पड़े होने की बात सामने आ रही है। नगर के चौराहों एवं प्रमुख मार्गों पर लगे कैमरे यदि चालू हालत में नहीं हैं तो किसी घटना, चोरी, दुर्घटना या विवाद के समय पुलिस को CCTV फुटेज जुटाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में जगह-जगह पोलों पर CCTV कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन इनकी नियमित जांच एवं रखरखाव नहीं होने से कई कैमरे बंद पड़े हैं। ऐसे में कैमरे लगाने का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है।

एमडी चोपदार ने शबनम खान की कार्यकारिणी को दिलाई शपथ, भाजपा पर साधा निशाना

बाड़ी में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का सद्भावना सम्मेलन संपन्न

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफः रामदास तरुण/बाड़ी। जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, धौलपुर की ओर से बाड़ी के निजी मैरिज होम में सद्भावना सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री एमडी चोपदार रहे, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की जिलाध्यक्ष शबनम खान ने की। कार्यक्रम में बाड़ी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे, प्रशांत सिंह परमार, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष साकेत बिहारी, पूर्व प्रधान बसेड़ी लाखन सिंह खिडोरा, जिला कांग्रेस प्रवक्ता शालिनी शर्मा, महिला प्रदेश सचिव लीना शर्मा, पूर्व सभापति नफीस अहमद, हाशिम खान, हमीद खान, सरदार बलवीर सिंह, रामवीर पोसवाल, रामेंद्र सिंह मीणा, सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

● भाजपा पर साधा निशाना

अपने करीब दस मिनट के संबोधन में एमडी चोपदार ने आगामी पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और अल्पसंख्यक समाज को उनके हक एवं अधिकार दिलाने की बात कही। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों की सराहना करते हुए भाजपा पर राजनीतिक निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर हिंदू- मुस्लिम तथा मंदिर- मस्जिद जैसे मुद्दों को राजनीति में प्रमुखता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी नेता धनेश जैन ने किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अल्पसंख्यक समाज के लोग मौजूद रहे।

● 51 किलो की माला से किया स्वागत सम्मान

कार्यक्रम में एमडी चोपदार का आयोजकों एवं अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। उन्हें राजस्थानी साफा पहनाया गया तथा चांदी का मुकुट, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किए गए। इस दौरान 51 किलो की फूलों की माला पहनाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। एमडी चोपदार ने जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की जिलाध्यक्ष शबनम खान की कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। साथ ही बाड़ी, बसेड़ी, सरमथुरा, सैंपऊ एवं बसई नवाब सहित विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारियों का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।आयोजकों के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारे एवं सद्भावना का संदेश देना तथा अल्पसंख्यक समाज को कांग्रेस संगठन से जोड़ना रहा।

● शबनम खान और नासिर खान की प्रशंसा

प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार ने कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को लेकर जिला अध्यक्ष शबनम खान की प्रशंसा की। उन्होंने शबनम खान के संगठनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए, उनके पति नासिर खान के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने धौलपुर जिले की अल्पसंख्यक कांग्रेस टीम के कार्यों की भी प्रशंसा की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929